पिटमैन की शार्टहैंड

हिन्दी त्वरालेखन

Isaac Pitman

SIR ISAAC PITMAN & SONS, LIMITED
LONDON BATH NEW YORK
TORONTO MELBOURNE, JOHANNESBURG

लन्दन
सर एजाक पिटमैन एण्ड सन्स, लिमिटेड

भूमिका

निम्नलिखित पृष्ठोंमें प्रस्तुत की गई त्वरालेखन पद्धति **सर एज़ाक पिटमैन** द्वारा आविष्कार की गई थी, जिसने अपनी पद्धति सर्वप्रथम सन १८३७ ई० में प्रकाशित की। **पिटमैन** पद्धति अत्यन्त सर्वप्रिय हो गई और इसका प्रयोग सारे संसारमें तेज़ी से फैल गया।

पिटमैन की त्वरालेखन सर्वप्रथम सन १८७८ ई० में भारतीय भाषा के अनुकूल की गई और पारलमेंट रिपोर्टर्स ऍसोसिएशन नयी दिल्ली के कथनानुसार जिसका उल्लेख ऑल इण्डिया इन्स्टाट्यूट ऑफ स्टेनोग्राफर्स की पत्रिका में किया गया है, यह अब भी भारत में प्रयोग की गई सर्वप्रिय पद्धति है।

यह वर्तमान अनुकूलन बिलकुल नया है और **सर एज़ाक पिटमैन एण्ड सन्स लिमिटेड** का राजकीय हिन्दी अनुकूलन है। इसके दो मुख्य उद्देश्य हैं (१) शुद्ध तथा साधारण पद्धति प्रस्तुत करना जो सीखने पढ़ने और लिखने में सुगम हो किन्तु जो साथ ही प्रयोग करने में भी बिलकुल विश्वस्त और अत्यधिक वेग वाली हो (२) ऐसी पद्धति प्रस्तुत करना जो संविधान-सभा द्वारा नियुक्त की गई समिति की इच्छानुसार हो।

एच् सी राय, पी एच् डी और **मिस् पॅमिला डी स्मिथ्,** एफ् आर ऍस् ए की (जो प्रति मिनट ४० शब्द त्वरालेखन में लिखने के लिये नेशनॅल यूनियन ऑफ टीचर्स इंग्लैंड की केवल एक मात्र ही प्रमाणपत्र धारी है) और **विलियम ब्रुजियन्स,** बी कॉम ए सी टी सी एफ् आर ऍस ए की निपुण सहायता के लिये प्रकाशक अपनी हार्दिक कृतज्ञता प्रकट करने का यह सुअवसर लेते हैं।

पिटमेनकी शार्टहैंडमें व्यंजन-रेखाक्षरोंका रूप

अक्षर	चिह्न
क	—
ख	-+-
ग	—
घ	-+-
ङ	‿
च	/
छ	✗
ज	/
झ	✗
ट	(
ठ	(
ड	(
ढ	(
त	|
थ	+

घ

ट

ध

न

प

फ

ब

भ

म

र

ल

श

स

ज

ह

ड

अर्ध स्वरोंको देखिये

व

य

विषय-सूची

अध्याय १

१—स्वर और व्यंजन

उच्चारणके अनुसार हिन्दुस्तानीके निम्नलिखित अक्षर हैं २१ व्यंजन
अर्ध-स्वर १० स्वर।

इन सब अक्षरों के लिये पिटमनकी शार्टहैंड मे चिन्ह दिये गये है।

शार्टहैंड का वर्णाक्षर का नाम रेखाक्षर है।

२—सीधे अधोगामी रेखाक्षर

नीचेके टेबुलमें पहले आठ व्यंजन दिये गये हैं।

चिन्ह	अक्षर	इनसे शब्द
╲	प	आप
╳	फ	फालसा
╲	ब	बाप बोना
╳	भ	भीड़ भरोसा
|	त	तीर, तेज
†	थ	थोड़ा थकना
|	द	दीप दो
†	ध	धीरज, धोना

ये रेखाक्षर हमेशा नीचेकी ओर लिखे जाते हैं

सफाई और हल्के हाथसे इनको लिखनेका अभ्यास कीजिये।

३—रेखाक्षरों का मिलाना

मिलाते समय कलम न उठाइये पहिले अक्षर के पूरा होते ही दूसरा प्रारम्भ करिये और प्रत्येक रेखाक्षरको उसकी ठीक दिशामें लिखिये।

पत प्ट तप ट्प ड्र ट्ड पप तत
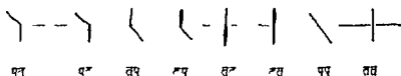
४—हकारी व्यंजन

रेखाक्षरों के लिखनेके बाद हकारी व्यंजनके चीनस छोटी डैश लगाते हैं।
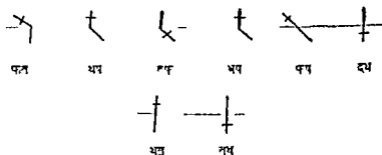
फत लिखनेके पहले लिखिये तब डैश मिलाइये

निम्नलिखित लिखकर अभ्यास कीजिये

फत थप ग्प भप फप दथ

थड़ गथ

५—स्वर-चिन्ह

व्यंजन रेखाक्षरोंके बगलमें लिखे जाने विन्दु और डशोंसे स्वर-वर्ण लिखे जाते है।

स्वर 'ए' व्यंजन रेखाक्षरों के मध्यम उनसे सट कर एक हलके विन्दुसे लिखा जाता है

थे +̣

स्वर ऐ रेखाक्षरोंके मध्यम उनसे सट कर एक मोटे विन्दुसे लिखा जाता है

थै ⧹̣

६—स्वर चिन्हो का स्थान

जब स्वर व्यंजनाक्षरोंके पहले आवे तो स्वर—चिन्ह रेखाक्षरक पहले लिखे जाते है

एट ⧹̣ एब ⧹̣

जब स्वर व्यंजनाक्षरोंके बाद आवे तो स्वर—चिन्ह रेखाक्षरके बाद लिखा जाता है

पे + बे ⧹

अभ्यास १

नीचे लिखे चिन्हों का बार-बार लिखकर अभ्यास कीजिये। साफ और हलके हाथसे लिखिये, और यथासम्भव जल्दी-जल्दी।

तप थप पस फस दन धत धथ पद

एत त प्थ पे पेब दे पेभ मे
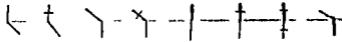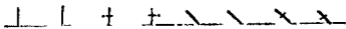
अध्याय २

७—अधोगामी रेखाक्षर : सीधे–टेढ़े दोनों

दूसरे आठ व्यञ्जन नीचेके टेबुलमें दिये गये हैं। सीधे और टेढ़े दोनों रेखाक्षर नीचेकी ओर लिखे गये हैं।

चिन्ह	अक्षर	इनसे शब्द
/	च	चीर चोर, चन्द्र
/	छ	छींक, छोड़ना
/	ज	जीना जप
/	झ	झोला झील
(	ट	टोला टहलना
(	ठ	ठहरना, ठोंक
(	ड	डकैत, डर
(	ढ	ढोल, ढेर

इन रेखाक्षरोंके लिखनेका अभ्यास कीजिये सफाई और हलके हाँथसे लिखिये।
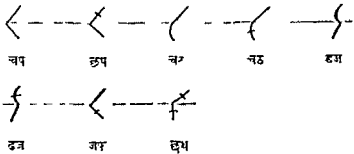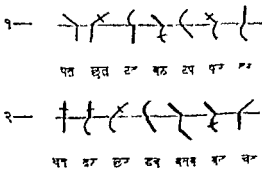
९—स्वर 'अ' और 'आ'

स्वर 'अ का एक हलके बिन्दुसे लिखा जाता है, रेखाक्षरके समीप पहले स्थान पर अत ⸜, अप ⟨

स्वर आ' का मोटे बिन्दुसे लिखा जाता है रेखाक्षरके समीप पहले स्थान पर आप /, आर ⸜, बात ⟩

१०—पहले स्थान के स्वर

जैसा ऊपरका पार्टहैंड लिखावटमे स्पष्ट है जब किसी शब्दका पहला अक्षर स्वर रेखाक्षरके पहले स्थानमें लिखा जाता है, तब रेखाक्षर लाइनके ऊपर ही लिखा जाता है अप ⟨, बात ⟩

स्वर अ और आ को पहले स्थानका स्वर कहते हैं।

जब किसी शब्दका पहला अक्षर 'स्वर दूसरे स्थान या मध्यम लिखा जाता है तब रेखाक्षरको लाइन पर लिखते हैं थे ┼ बेग ⟩

स्वर ए और ऐ दूसरे स्थानके स्वर कहलाते हैं।

तुलना कीजिय

थे (की) ┼ आप (से) ⸜ और बेग (की) ⟩ बात (से) ⟩

अभ्यास ३

पढ़िये और बार बार नक़ल कीजिये

१— \ \ | + | \ \ —

— ⌐ ˥ ⟩ ⟩ ⟩ ⟩

अभ्यास ४

शार्टहैन्ड लिखिये

१— आज अब तब माथ दादा चाचा।

२— खाना चर चार मट, पटा, छापा।

३— बैठा जाना बचा चारा।

११—संक्षिप्त रूप

पिटमैनका शार्टहैन्डमें कुछ अधिक व्यवहारमें आनेवाले शब्द एक विशेष चिन्ह द्वारा लिखे जाते हैं। इन विशेष चिन्हों को संक्षिप्त रूप कहा जाता है और इस किताबमें दिये हुये प्रत्येक संक्षिप्त रूप को भली भांति याद कर लेना चाहिये क्योंकि इनसे शार्टहैन्ड लिखनेकी गति बहुत तेज हो जाती है।

.. — या ⌐ है है — म, माया आइ

०— गा गा स ° — मय

नोट — यह हल्का टिक (छोटी लकीर) पृथक चिन्ह में जोड़ देते हैं जैसे इन शब्दों में

(ऊर्ध्वगामी) ठाट है

(अधोगामी) यात है

१२—विराम-चिन्ह

शार्टहैंडमें नीचे लिखे विराम-चिन्ह काममें लाये जाते हैं।

×	?	!
खड़ीपाई	प्रश्नसूचक	विस्मयबोधक
-	⟷	( )
हाइफन	डैश	पैरेंथिसिस

और दूसरे चिन्ह भाषामें ही लिखे जाते हैं।

अभ्यास ५

शार्टहैंडमें लिखिये

१— ठाट भाट मेरा बात बता।

२— पथ से बच।

३— झटपट भा।

४— टाट है।

अध्याय ३

१३—बायेंसे दाहिनी ओर लिखे जाने वाले रेखाक्षर

नीचेके टेबुलमें दिखाये गये सात व्यंजन रेखाक्षर पड़ी रेखाओं के रूपमें हैं, और बायेंसे दायीं ओरको लिखे गये हैं।

चिन्ह	अक्षर	इनसे शब्द
	क	कोट कचहरी
	ख	खोग खुग
	ग	गाय गेंद
	घ	घर, घोड़ा
	म	मेन मिर्च
	न	नाम, नानी
	ङ	मडार, अरा

इन रेखाक्षरों को तब तक लिखनेका अभ्यास कीजिये जबतक कि ये याद हो जाँय।

१४—पड़ी रेखाओं वाले रेखाक्षरोंका मिलाना

पड़ी रेखाओं वाले रेखाक्षरों को अधोगामी रेखाक्षरोंके साथ साधारण तया ही मिलाया जाता है कलम ऊपर उठानेकी आवश्यकता नहीं।

ऊपरके शार्टहैंड लिखावटमें स्पष्ट है कि जब पड़ी रेखा वाले रेखाक्षर अधोगामी रेखाक्षरमें मिलाया जाता है अधोगामी रेखाक्षर तो निश्चितकी लाइनपर अपना पूर्वनिश्चित स्थानही लेता है पर पड़ी रेखा वाला रेखाक्षर आवश्यकतानुसार ऊपर या नीचे उठा कर लिखा जाता है जैसे

जाना बैठा देना

१५—पड़ी रेखा वाले रेखाक्षरों के साथ स्वर-चिन्ह

जब स्वर पड़ी रेखा वाले रेखाक्षरके पहले आवे तो इसे उस रेखाक्षरके ऊपर लिखते हैं

जब स्वर पड़ी रेखाके बाद आवे तो इसे रेखाक्षरके नीचे लिखते हैं

का खा गा घा काना

अभ्यास ६

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

अभ्यास ७

निम्नलिखित रेखाक्षरकि लिखनेका काजिये।

नोट कलम ऊपर उठानेकी आवश्यकता नहीं

१— टगा, काम, पाना जगाना, टेगना, खाता।

२— खाना गाँग, आम, घगा, थामना, माता।

३— नगा, टैंक कथा, जाना ताना, अक्सा।

१६—स्वर 'ओ' और 'औ'

स्वर ओ' रेखाक्षरके निकट पहले स्थान पर एक हलका डैशसे लिखा जाता है

दो जो देदो

स्वर 'औ' रेखान्तरके निकट पहले स्थानपर एक मोटी डेशसे लिखा जाता है

नौ बौना

अब तक पहले स्थान के चारों स्वर सिखलाये गये हैं दो बिन्दु – दो डैश

अभ्यास ८

पढ़िये और बार बार नकल करिये

१—

२—

३—

१७—संक्षिप्त रूप

अपना – नी – ने जहां ज़रूरत

में, मे

अभ्यास ९
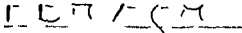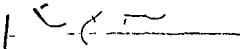
पढ़िये और बार बार नक़ल कीजिये

१—

२—

३—

४—

५—

अभ्यास १०

शार्टहैंड लिखिये

१— अपना पता बता।

२— मैंने अपना माथा टेका।

३— यहाँ एक मैं नेक।

४— आप पर बनेगी?

५— [illegible]

अध्याय ४

१८—छोटा वृत्त 'स' या 'ज'

नाचेकी लिखावटके अनुसार 'स' या 'ज' के लिये एक छोटा वृत्त लिखा जाता है
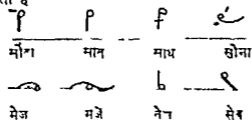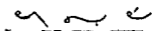
सोना साम साथ सोना

मेज मजे नेत सेव

१९—यह वृत्त हमेशा लिखा जाता है:

(अ) टेढ़ी रेखाके मध्यम

मास जमाने सोने

(आ) सीध रखान्तरोंस मिलानके समय बायीं

ओरसे जैसे

मोस आसम मोसा वक्स

अभ्यास ११

पढ़िये और बार बार नकल करिये

१—

२—

३—

अभ्यास १२

शार्टहैंडमें लिखिये

१— पास सड़, सके, सकते साथ।

२— अन्दाज़ साना, जमाने, सोना।

३— ज़ब्त सोच सेज सत, समझ।

२०—संक्षिप्त रूप

जैसा-से-सी, पर, फिर, जासो

अभ्यास १३

पढ़िये, और बार बार नक़ल कीजिये

१—

२—

३—

४—

५—

६—

७—

८—

९—

अभ्यास १४

१— सेठसे पैसा मांगा।

२— एक गाना ना गा।

३— तब मैं बाजार आया।

४— अच्छा गाना गा।

५— माने तो कैसे माने।

६— गांवमे दाम दे।

७— बाबाको गाना दो।
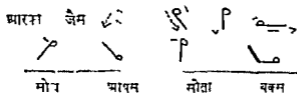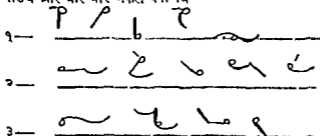
८— चौपाए जानों पर आयी।

अध्याय ५

२१—तीसरे स्थान के स्वर 'इ' और 'ई'

पिछले अध्यायमें दिखलाया गया है कि 'अ' और 'आ' स्वरोंके चिन्ह पहले स्थानमें तथा 'ए' और 'ए' स्वरोंके चिन्ह दूसरे स्थानमें लिखे जाते हैं। और इन्हें क्रमसे पहले स्थानका स्वर तथा दूसरे स्थानका स्वर कहते हैं।

स्वर-चिन्हों को तीसरे स्थानमें भी लिखा जाता है। ई को हलके बिन्दु द्वारा रेखाक्षर के तीसरे स्थानपर लिखते हैं -ℓ- जिस ~ लिखना

स्वर ई को मोटे बिन्दु द्वारा तीसरे स्थान पर लिखते हैं

स्वर 'इ' और 'ई' को तीसरे स्थानका स्वर कहते हैं।

२२—रेखाक्षर-आकृतियोंका स्थान

जब रेखाक्षर-आकृतिमें पहला स्वर-चिन्ह तीसरे स्थान पर लिखा जाता है, तो रेखाक्षर-आकृतिको तीसरे स्थानमें लिखते हैं, यानी पहला ऊर्ध्वगामी या अधोगामी रेखाक्षर रेखाके आरपार लिखा जाता है जैसे इन शब्दोंमें ℓ जिस | दी

इस लिये पिटमैनकी शार्टहैंडमें तीन ऐसे स्थान हैं, जहाँ आकृतियाँ लिखी जा सकती हैं

पहला स्थान, रेखाके ऊपर — आप बर

दूसरा स्थान, रेखा पर — ये बै

तीसरा स्थान, रेखाके आरपार — जिन दी

पहला स्वरचिन्ह ही आकृतिका स्थान निश्चित करता है। तुलना कीजिये पिसना (जिसमें पहला स्वर-चिन्ह तीसरे स्थान का स्वर है) और (बचना जिसमें पहला स्वर-चिन्ह पहले स्थानका स्वर है)।

२३—पड़े रेखाक्षरों वाली आकृतियों के स्थान

पिटमैन की शार्टहैंड आकृतियाँ लकीरके नीचे कभी नहीं लिखी जातीं। इस कारण सीधे रेखाक्षरों वाली आकृतियाँ, दूसरे और तीसरे दोनों स्थानोंके लिये लकीरपर लिखी जाती हैं

एक कि की सीन
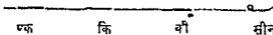
२४—दो रेखाक्षरोंके बीचमें आनेवाले तीसरे स्थानके स्वर-चिन्ह की स्थिति

जब तीसरे स्थानका स्वर दो व्यञ्जन रेखाक्षरों के बीच आता है, इसे दूसरे रेखाक्षरके पहले तीसरे स्थानपर लिखते हैं, जैसे

नाम पीना बिछना बिछाना

अभ्यास १५

पढ़िये, और बार बार नकल करिये

अभ्यास १६

शार्टहैण्डमें लिखिये

१— कि जिस पागना नीम पिनना
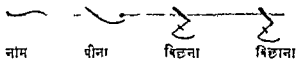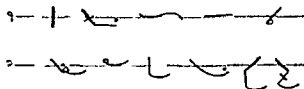
२— छिपाना, पीछे रखना सामने सान

२५—लगातार आने वाले व्यंजन

पिटमैन की शार्टहैंड उच्चारणके अनुसार लिखी जाती है, इस कारण यदि भाषणमें व्यंजन दोहराये जाय तो रेखाक्षर–आकृति में भी उसे दोबारा लिखना चाहिये। इस कारण नीचे आकृतियोंमें दोबारा लिखे गये रेखाक्षरोंपर ध्यान दीजिये
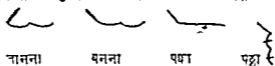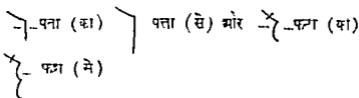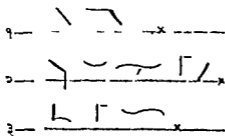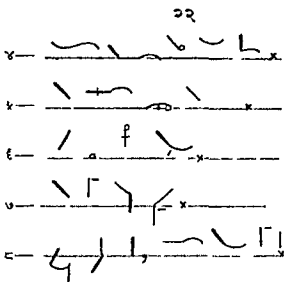
नानना ननना पधा पढ़ा

तुलना कीजिये

पना (का) पत्ता (से) और फना (का)

फन (में)

२६—संक्षिप्त रूप

पैरा-सी-से समय मुसलमान

अभ्यास १७

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

१—

२—

३—

अभ्यास १८

शार्टहैंडमें लिखिये

१— आप चोटपर आये।

२— इसका समय आया।

३— जाओ, अपना दाम दे दो।

४— पिताको आग दो।

५— आज सोनेम समय बीता।

६— कामको तज।

७— आज आप कैसे हैं।

८— दाम नाम बिना बेकाम है।

९— मोतीके मर्गीमें कैसा पानी है।

अध्याय ६

२७—तीसरे स्थानके स्वर 'उ' और 'ऊ'

स्वर उ को एक हलका डैशसे रेखाक्षरके पास इसके तृतीय स्थानमें लिखते हैं

उन सुना चुना घुनना

स्वर-चिन्ह ऊ को एक मोटी डैशसे तीसरे स्थानपर ही लिखते हैं जैसे

कूा (?) घूना

२८—सक्षेपमें स्वर-चिन्होंका रूप

पहले स्थानके स्वर अ और आ के लिये बिन्दु — पथ साँप

आ और ओ के लिये डैश — शोर नौ

दूसरे स्थानके स्वर ए और ऐ के लिये बिन्दु — थ दे

तीसरे स्थानके स्वर इ और ई के लिये बिन्दु — निम चीज

उ और ऊ के लिये डैश — न दूर

अभ्यास १९

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

अभ्यास २०

आउटलाइन्स लिखिये

१— मुझे, कुछ जन, चूना पूछा

— माना जाना, ताना मदाजन गोने

२९—हकारी स्वर

जब स्वरके उच्चारणके बाद स्वरपर जोर दिया जाय तो इस जोर देनेको स्वर-चिन्हके बाद एक हलके बिन्दुसे लिखते हैं। जैसे

ᒪ गहना —|- बहुत —ᕋ सुबह

यह दिखलाया जा चुका है कि हकारी व्यंजन को व्यंजन रेखाओंके आरपार एक कोना उस द्वारा लिखा जाता है

7 यथा 7 मुझे —⌐ मुंह

अभ्यास २१

१— ᒪ — ᕋ — ᒧ — ᕵ —

२— ᕗ — ⌐ — ᕵ — 7 — ᒉ

३०—संक्षिप्त रूप

╲-पहिला-ला-ले —×— पिछला-ली-ले

(— डाक्टर

अभ्यास २२

पढ़िये और बार बार नक़ल कीजिये

१—

२—

३—

४—

५—

६—

७—

अभ्यास २३

शार्टहैंडमें लिखिये

१— पापमें फँसनेसे जी न बच सका।

२— धूप तेज़ है, पानी दो

३— आपसे कुछ भी न छिपाऊँगा

४— डाकघरसे चिट्ठी मँगालो।

५— पिछली बातें सुना जाओ।

अध्याय ७

३१—व्यजन 'म' और 'ज'

म और ज के लिये वृत्तका प्रयोग किया गया है। इसके मलाया इनके रेखाक्षरोंका भी प्रयोग होता है) स) ज।

यह दिखलाया जा चुका है कि वृत्त स' स या ज के लिये लिखा जाता है, जब कि ये किसी शब्दके पहिले या मागार में आते हैं

यह वृत्त माधे रेखाक्षरों से बायीं और , मौर वक्र रेखाक्षरों व मन्दर लिखा जाता है

सीता साप

३२—रेखाक्षर 'स' और 'ज'

वृत्त स हमेशा नहीं लिखा जा सकता क्योंकि स्वर चिन्हों को व्यजन रेखाक्षरों के साथ लिखना पड़ता ही है। इस कारण रेखाक्षर) स या) ज नाचे दशाओं में प्रयोग मे लाये गये हैं

(१) जब शब्दके प्रारम्भमें स्वर हो और उसके बाद 'स' या 'ज' हो, जैसे -)- उस

(२) जब शब्दके मन्तमें स या ज हो और उसके बाद छोट स्वर हो, जैसे

) सो - (टैक्सी

(३) जब शब्द के प्रारम्भ में स या ज हो और उसके बाद स्वर तथा फिर स या ज आवे तब वृत्त और उसके बाद रेखाक्षर दोनोंको काममें लाइये स्म जैसे सुस्ता

देखिये इज्ज़त, जिसमें स्वर ज के पहले आता है।

यदि स या ज आकृति के मध्यमें दो बारा आये, तब सुविधाके अनुसार वृत्त और रेखाक्षर दोनों को लिखिये

अभ्यास २४

पढ़िये और बार बार नक़ल कीजिये

१—

२—

अभ्यास २५

शार्टहैंडमें लिखिये

१— जैसा, उनासी पचासी, पचास, छब्बीस, उन्तीस।

२— सौ, तीस, इक्तीस बासठ, साठ चौसठ।

३३—अनुस्वार-स्वर

जब किसी स्वरके साथ अनुस्वार हो तो शार्टहैंडमें इसे रेखाक्षर द्वारा लिखते हैं, जैसे

मैं पान मँगा

अभ्यास २६

पढ़िये और बार बार शार्टहैंड में लिखिये

१— तोड़, चें आंखें, पान, गूंजना।

२— मांगना घोंप महंगा, चांदनी।

२४—संक्षिप्त रूप

) इस-सी-से इधर, उधर,

 बाहर, बेहतर, क्या किया।

अभ्यास २७

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

१—

२—

३—

४—

५—

६—
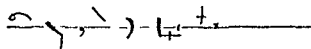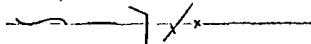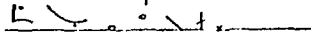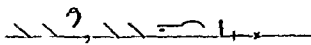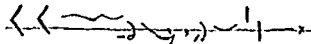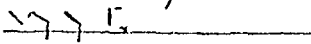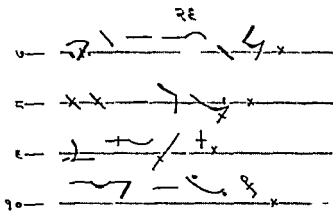
अभ्यास २८

शार्टहैंडमें लिखिये

१— इधर उधर बाहर जाओ।

२— उस कामसे अपना गाना बेहतर है।

३— सीपका मोती कीमती है।

४— नगा बाबा भीख मागता था।

५— काम आसानीसे किया।

६— धनीसे नाता काटो।

७— उफ, मैं तो आ फँसा।

८— फिर आपकी आँख उठी हैं।

९— खाना दो तब साथी बनो।

१०— सबके साथी बनो।

अध्याय ८

३५—'फ', 'श' और 'ल' के टेढ़े रेखाक्षर

चिन्ह	अक्षर	इनसे शब्द
	फ	फुट दफा
	श	शाम शाक
	ल	लोग, मजाम

अभ्यास २६

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

अभ्यास ३०

शार्टहैन्ड लिखिये

१— फुट झिलमिल लगेगा दफा लाग फागला।

२— तमाशा पुल नलन, फूल गाली।

३— घोलना लोभ गला मल्ला, फिना फाला।

३६—संक्षिप्त रूप

नहर, शब्द, मशहूर

लाभ, लड़का।

अभ्यास ३१

पढ़िये और बार बार नक़ल कीजिये

१

२

३

४

५

६

७

८

९

अभ्यास ३२

शार्टहैण्ड लिखिये
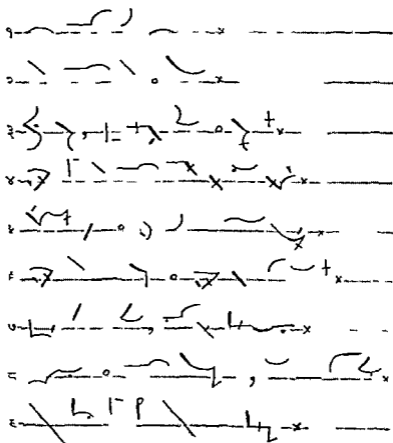
१— बदीलाल नामका लड़का खेलने में मशहूर है।

२— लोटेमें पानी दो, आग बो लो।

— जब तक जानो खुशी मानो।

४— आज मैं तो तुझे बुलाना भूल चला था।

५— नाम कमानेमें अधिक लाभ है न कि दाम कमानेमें।

६— आप नाम न लें पापके भागी बनेंगे।

७— बोलो अब क्या काम न चलेगा।

८— आपने चीज तौल लेनेपर बाट टाला?

९— गौ माता अच्छा दूध देती है।

१०— आमको खेत देखने जायगे।

अध्याय ६

३७—अर्ध-स्वर 'य' और 'व'

य और व को इनके उच्चारणके अनुसार ऊर्ध्वगामी रेखाद्वारा द्वारा लिखते हैं य और व, जैसे नीचे आकृतियों में

-ड्यूटी यानी तावीज वापस

३८—'म्प' और 'म्ब' के दोहरे व्यंजन चिन्ह

जब व्यंजन 'म' के बाद ही व्यंजन प या व आवे, तो इसे म के स्थानमें मोटा बना कर लिखते हैं जैसे निम्नलिखित आकृतियोंमें इसका प्रयोग है

लैम्प लम्बा

अभ्यास ३३

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

३६—संक्षिप्त रूप

वगैरह वैसा-सी-से, व्यवहार यों ही,

यह यही।

अभ्यास ३४

पढ़िये नकल कीजिये।
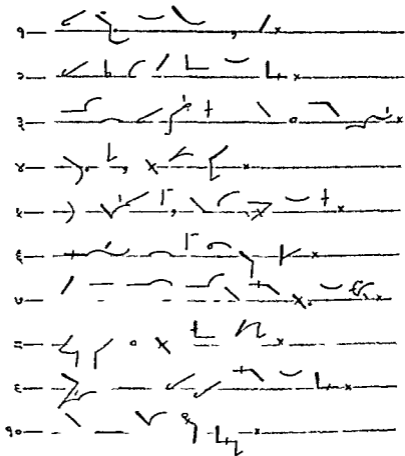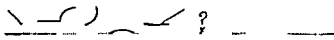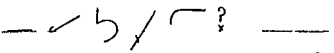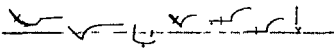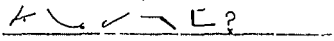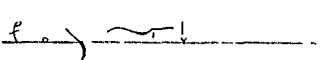
१—

२—

३—

४—

५—

६—

७—

८—

९—

१०—

अभ्यास ३५

शार्टहैंड लिखिये

१— मुन्नालाल एक नया आदमी था।

२— हमारी कलियाँ भली लगती हैं।

३— लैम्प जला तो दो तार भेजगे।

४— उसका बैल दो फाट लम्बा है।

५— गायको उस खम्भ बाध दो।

६— यह तम्बू क्या लम्बा है?

७— तेलका पम्प क्या न काम आया।

८— मुझे पानी पिलाना तो चम्पा।

९— क्या आपने भूकम्प देखा है?

१०— उस तम्बूमें दस आदमी हैं।
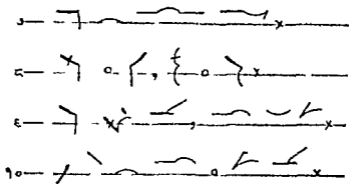
अभ्यास ३६

पढ़िये, नकल कीजिये।

१—

२—

३—

४—

५—

६—

संक्षिप्त रूपों का दुहराना

शार्टहैण्ड लिखिये

१— जरूरत सब, पर फिर शब्द, लाभ।

२— थोड़ा कमा यही इधर, बाहर।

३— कैसा, आपना व्यवहार, क्या मशहूर।

४— समय, डाक्टर बेहतर, कहा, गा–गे–गी।

कुञ्जी संक्षिप्त रूपों का दुहराना

१—

२—

३—

४—
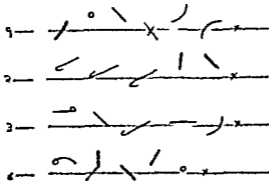
अध्याय १०

४०—'र' तथा 'ड़' व्यजन

र तथा ड़ व्यजन अत्यत आवश्यक हैं और निम्नलिखित चिन्ह उनके लिये प्रयोगमें लाये जाते है

चिन्ह	व्यजन	इनसे शब्द
ऊपर को	र	रोज, तारक
नीचे को	"	सैर, कार
नीचे को	ड़	कड़ा, फाड़

र के लिये दो चिन्ह प्रयुक्त किये गये है, क्यों कि इसका प्रयोग प्राय होता है। और हर दशाओं में यह आवश्यक है कि इसे आसानीसे लिखा जाय।

४१—प्राय उर्ध्वगामी 'र'

- प्रयोग में आता है और निम्नलिखित उदाहरणोंकी नकल कई बार करिय
तारीफ, गोरा रार।

४२—अधोगामी 'र'

किसी आकृतिमें प्रारम्भ या अन्तमें स्वरका आना, न आनाही दिखलानेके लिये प्रयुक्त होता है।

अधोगामी र इन दशाओंमे लिखा जाता है

(अ) जब शब्द स्वरसे प्रारम्भ होता है और उसके बाद ही र आता है, जैसे और, आरसी।

इसके विरुद्ध शुरूमें स्वर होने या न होने का ख्याल किये बिना ऊर्ध्वगामी र का प्रयोग किया जाता है, जब इसके बाद रेखाक्षर । त, । द, / च / ज, तथा (ट आते है। जैसे -उरदा, रट, मर्त
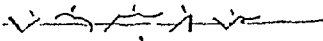
(आ) जब शब्द के अन्तमें स्वर तथा उसके बाद र आवे (याना जब र के बाद कोइ स्वर न हो), जैसे इनमें -दर, -तार इसके विरुद्ध जब रेखाक्षर आकृति में सीध रेखाक्षरके बाद र आवे तो चाहे अन्तमें स्वर हो या न हो, ऊर्ध्वगामी र का प्रयोग करते हैं जैसे शरीर और इसका प्रयोग पग ज इस ज के बाद भी करते हैं। तुलना कीजिये -आगरता (की) इकना (से) और कार (की) गोरा (म)।
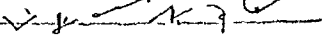
(इ) म के पहले सदा अधोगामी र लिखते हैं। जैसे, राम।

अभ्यास ३७

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

१—

२—

३—

अभ्यास ३८

शार्टहैंडमें लिखिये

१— गिरें, गिरगा, करेंगे रहना

२— चढ़रा, चार भार, गिरना, सूरत।

३— घिरना देर, पुराना शरीर, शिफारिश, शुरू।

४३—व्यजन 'ढ़'

ड़ व्यनन सदा अधोगामी वक्ररेखा (से लिखा जाता है। जैसे (फड़ा, (कड़ा। यदि र या ड़ के उच्चारणपर जोर हो, तो ऊँश साधारण तौरपर रेखाक्षर के आरपार लिखी जाती है , ,

अभ्यास ३६

पढ़िये और बार बार नक्ल कीजिये

१—

२—
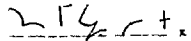
४४—सक्षिप्त रूप
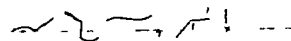
रह रहा, रहा रुपिया रोनाना, रोज।
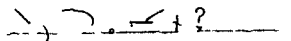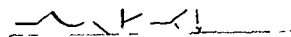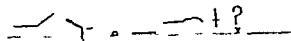
अभ्यास ४०

पढ़िये और बार बार नकल करिये
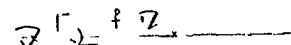
१—
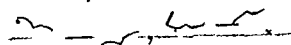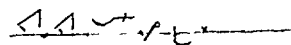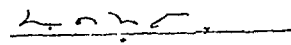
४—

५—

६—

७—

८—

९—

१०—

अभ्यास ४१

शार्टहैंडमें लिखिये

१— रोग धीरे धीरे बड़ा दुख देता है।

२— सैकड़ों सालोंसे ये खंभे खड़े हैं।
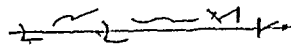
३— मरज़ बढ़ती थी दिल कमजोर बना।

४— गाढ़े समयपर क्या काम दोगे?

५— सूखी लकड़ी फेंक दो।

६— कड़ी बोलका फल बुरा है।

७— नाम बड़ा पर सदा दाम पर झगड़ा।

८— करोड़ों रुपिया चला गया, साथ सुख भी गया।

९— रात भर रोते-रोते शरीर बेकाम था।

१०— रोजाना आप बीमारी की सोचसे बचें।

अध्याय ११

४५—व्यंजन 'ह'

यह दिखलाया जा चुका है कि स्वरके बाद आने पर ह एक हलके चिह्नसे लिखा जाता है और किसी व्यंजनके बाद आने पर व्यंजन के आरम्भ एक हलकी रेखा लगानेसे जैसे — मुहर — चाहना — पहरा — फेरा।

जब कोई स्वर ह से प्रारम्भ हो और जब ह दो स्वरों के बीचमें आवे तो उसे एक रेखान्तरसे लिखना आवश्यक है। इन दशाओं में ह एक ऊर्ध्वगामी रेखान्तरसे लिखा जाता है। नीचेकी रेखाकार आकृतियोंमें इसका प्रयोग स्पष्ट है

हावा हमी जहाज।

वर्तुलाकार मिलावटें देखिये न-ह, म-ह इत्यादि ,

(इनसे भिन्न न स-र, म-स-र , मिलावटें हैं) और

ज-ह न-ह इत्यादि (इनसे भिन्न ज स-र, न-स-र

मिलावटें हैं) ह के प्रारम्भ का वृत्त सदा दाहिना ओर को लिखा जाता है।

अभ्यास ४२

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

१—

२—

अभ्यास ४२

शार्टहेंडमें लिखिये

१— हँसी हुआ, रहोगे हो, यहाँ हँसना।

२— हिसाब, होना हर, आहें, बोधा।

४६— —'म', ⁄ 'ल' और ⁀ 'अधोगामी र' के पहले ह् को छोटे टिकसे लिखते हैं जैसे, ⁄ हाल, — होम ⁀ हार।

४७—अधोगामी, ऊर्ध्वगामी, तथा पड़े रेखाक्षरोंके साथ स्वर-चिन्हों का स्थान

स्वर चिन्हों का स्थान—पहला—दूसरा—तीसरा—हमेशा रेखाक्षरके प्रारम्भमे निश्चित किया जाता है जैसे अधोगामी रेखाक्षर ⁀ बत, ⁀ बे, | दी।

पड़े रेखाक्षर — आग — एक — कि।

ऊर्ध्वगामी रेखाक्षर ⁄ हो, ⁄ है! ⁄ ही।

४८—संक्षिप्त रूप

— हम हमारा हमारी हमारे — हमें — हुआ हुयी हुये हुयीं, — नहीं।

अभ्यास ४४

पढ़िये और बार बार नक्ल कीजिये

अभ्यास ४५

१— हमारा काम विशाल है।

२— उन्होंने तो मुझे मार्ग दिखाया।

३— हमारा काम गाँवोंमें है।

४— गरीबोंके सूखते चेहरों पर हँसी लाना है।

५— हमारी अपील धनियोंसे भी है।

६— क्या वे गरीबोंके बैठते हृदयोंमें साहस भरेंगे?

७— गरीबोंसे फायदा लेना ही पाप है।

८— और क्या कहूँ उन्हीं को बचाना तो काम है।

९— अब लूटनेमें कुछ नहीं हासिल होगा।

१०— हुक्म तो वही जो सब लोगोंके काम का हो।

अध्याय १२

४९—द्विस्वर चिन्ह

हिन्दी भाषामें प्रायः दो चिन्ह पास ही आते हैं। पिटमैनकी प्रणालीमें इनके मिलावटके लिये एक कोणाके आकारका छोटा चिन्ह प्रयुक्त होता है

ɩ या ɩ

५०—एक बिंदु-स्वर, किसी अन्य स्वरके साथ

जब दो स्वरोंमसे पहला स्वर एक बिन्दु से लिखा जाता हो तो कोणाकार चिन्हकी बायीं ओरको खुला रहता है जैसे ɩ इसे पहले स्वरके स्थानपर लिखते है,

जैसे — गया — पाओ — चिड़िया।

५१—एक डैश-स्वर, किसी अन्य स्वरके साथ

जब दो स्वरोंमेंसे पहला स्वर डैशसे लिखा जाता हो तो कोणाकार चिन्हकी दायीं ओरको खुला रहता है जैसे ɩ यह पहले स्वरके स्थानपर लिखा जाता है, जैसे — कोई, — हुआ।

इस प्रकार द्विस्वर चिन्हसे मालूम हो जाता है कि दो स्वरोंमसे पहला स्वर किस स्थान का है—पहले दूसरे या तीसरे और यह भी कि यह बिन्दु या डैशसे लिखा जाने वाला स्वर है। दूसरा स्वर कोई भी अन्य स्वर होता है।

अभ्यास ४६

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

अभ्यास ४७

शार्टहैंड में लिखिये

१— पाओ हुआ मार लाओ रोड़ नदिया।

— दियासलाई पाओ साग्स यह्न गाओ।
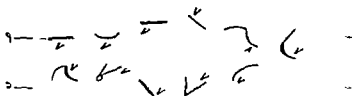
५२—यदि य के बाद कोई-स्वर आवे तो इसे द्विस्वर चिन्हसे लिख सकते हैं, जैसे अत्याचार पर जब य दो स्वरों के बीचमें आवे तब आसान तो इस स्वर द्वारा लिखते हैं, जैसे साया नहीं तो द्विस्वर के चिन्ह म एक छोटा लकीर जोड़ दी जाता है और उसको त्रिस्वर कहते है।

तुलना कीजिये दुन्या (का) विवेय (मे)

५३—संक्षिप्त रूप

-| तब तभी – आओ इया।

अभ्यास ४८

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

अभ्यास ४६

१— आइये, हम खाना खायें।

२— रोज रोज छोटी बातोंपर झगड़ोगे क्या?
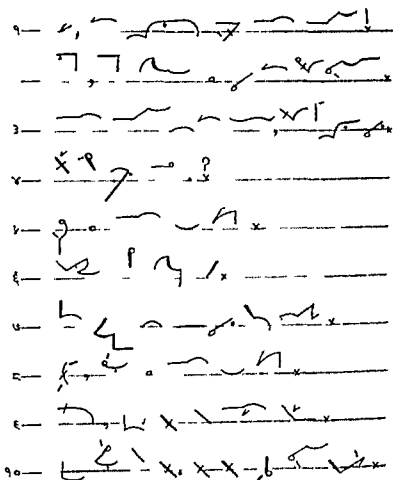
३— आराम तो मिला नहीं, दुखही उठाना पड़ा।

४— जब आ गये हो, कुछ तो खाओ।

५— ओला खानेमे हानि होगी।

६— कोई भी आवे उसका भला करो।

७— हाथ मार पड़नेपर भी नही उठे।

८— आप बीमार थे, तभी तो वह पकड़ ले गया।

९— जभी तक हम सहते हैं, तभी तक हमें दुख है।

१०— ईश्वरका नाम कभी नहीं भूलो

अध्याय १३

५४—'त' और 'द' जोडने के लिये अर्धीकरण

रेखाक्षर आकृतियाँ को मानारम छोटा बनानेके लिये अर्धीकरण अत्यंत उपयोगी सिद्धांत है। इसके प्रयोग द्वारा त या द का जुड़ना दिखलाने के लिये रेखाक्षरों का लम्बाई आधा कर देते है।

अर्धीकरणके निम्नलिखित नियम हैं।

(अ) त को जोड़नेके लिये अकेला हलका रेखाक्षर आधा करके लिखा जाता है जैसे इस रेखाक्षर आकृतिमें पात।

(आ) द को जोड़नेके लिये अकेला मोटा रेखाक्षर आधा करके लिखा जाता है जैसे इस रेखाक्षर आकृतिमें बाद।

(इ) जब किसी रेखाक्षर आकृतिमें दो या अधिक व्यञ्जनके रेखाक्षर हों तो त और द दोनोंको जोड़नेके लिये रेखाक्षरोंको आधा करके लिखा जाता है जैसे इन रेखाक्षर आकृतियोंमें

कसरत, पीतल, दावत।

निम्नलिखितपर ध्यान दीजिये

(१) अकेला हलका रेखाक्षर द के लिये आधा नहीं किया जाता उसी प्रकार अकेला मोटा रेखाक्षर त के लिये आधा नहीं किया जाता। तुलना कीजिये याद (न कि) यात (हो)।

(२) पहले आनेवाले दूसरे और तीसरे दोनों स्थानोंके स्वरोंके साथ आये हुये अधोगामी और ऊर्ध्वगामी रेखान्तर रेखापर लिखे जाते हैं

जैसे पान चन चिन।

(३) जब त और द के बाद स्वर आवे और वह अन्तिम हो तो इनका पूरा रेखान्तर लिखना चाहिये।
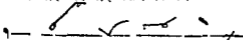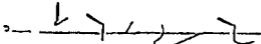
तुलना कीजिये जूता (तो) चेन (मे)

(४) यदि मिलानकी स्पष्टतामें अड़चन हो तो एक रेखान्तरके बाद आनेवाला दूसरा रेखान्तर आधा नहीं किया जाता

बताना, इश्तेहार हुक्मत

अभ्यास ५०

पढ़िये और बार बार नकल करिये

५५—संक्षिप्त रूप

वहाँ, वहीं अवश्य, जरूर

बिलकुल मतलब हिन्दू।

अभ्यास ५१

पढ़िये और चार चार नक़ल कीजिये

१—

२—

३—

४—

५—

६—

७—

८—

९—

१०—
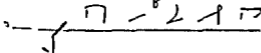
अभ्यास ५२

शार्टहैंडमें लिखिये

१—जैसा शरद का मौसम साफ है, वैसा कोई नहीं।

२—मुसलमान-हिन्दू सब एक ही जात के हैं।

३—गरीबीमें दुखकी हद नहीं होती।

४—मदसे सदा दूर रहो।

५—आमद तो कुछ नहीं खर्च बहुत है।

६—आगे बढ़ते चलो ईश अवश्य मदद करेगा।

७—वहाँ की याद वहीं छोड़ो, अब यहा की सोचो।

८—मुझे उसकी चाल बिल्कुल पसन्द नहीं।

९—पद पाते ही उसकी इज्ज़त बढ़ गयी।

१०—वहाँ बड़ी तायदादमें लोग इकट्ठे थे।

अध्याय १४

५६—सीधे रेखान्तरोंके साथ 'र' हुक

व्यंजन र प्राय दूसरे व्यंजनोंके साथ आकर दुगुना स्वर उपस्थित करता है जैसे प्र, ग्र। यह दूसरे व्यंजनसे मिल कर एक मात्राके रूपमें आता है, जैसे कर, पर।

र की दूसरे व्यंजनसे यह मिलावट, इस व्यंजनके शुरूमें एक हुक लगानेसे प्रकट की जाती है। जैसे \ प्र पर — ग्र, गर।

र का हुक दाहिना ओर को लिखा जाता है, जैसे , ऐसा सीधे रेखान्तरोंसे मिलाये जानेके समय करते हैं।

ध्यानपूर्वक नीचेकी रेखान्तर आकृतियों को पढ़िये और कई बार उनकी नकल कीजिये — ऊपर — प्रोपेगंडा — नौकर, — अगर।

अभ्यास ५३

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये
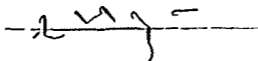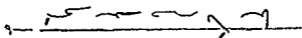
अभ्यास ५४

शार्टहैंडमें लिखिये

१—अगर गरमियों नौकरों लापरवाही
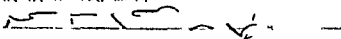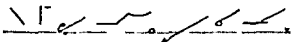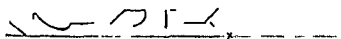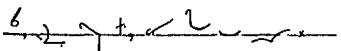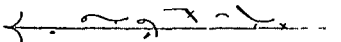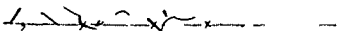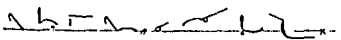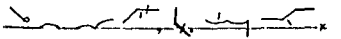
२—प्रोपेगंडा, प्रेम, दरबार पदा।

५७—संक्षिप्त रूप

कर घर प्रत्येक

अभ्यास ५५

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

अभ्यास ५६

शार्टहैंड लिखिये

१—प्रोपेगंडासे काम नहीं पूरा होगा।

—अगर तुमने मेरा काम नहीं किया, तो मैं दूर चला जाऊँगा

३—इधर तुम सदा खुशदिल दीखते हो।

४—मेरा और किसीसे कुछ भी नाता नहीं है।

५—गरायमें मित्र भी बैरी हो जाते है।

६— लाभ की सदा मत सोचो परिवारकी सोचो।

७—अंधेरकी मारमें अधिक पीर है।

८—मुझे अमीरीका गरूर तनिक भी नहीं।

९—पहले दुख था केवल साथियोंका धीरे धीरे खिसक जाता।

१०—परदेशी होकर भी यार ऐंठ रहते हो बात क्या है?

अध्याय १५

५८—टेढ़े रेखाक्षरोंमें 'र' हुक

स वृत्तकी तरह र हुक टेढ़ा रेखाके अन्दर लिखा जाता है ... ... के उदाहरण ... रेखाक्षर आकृतियाँ में ... टम ... हुनर, ... निश्रम।

५९—व्यंजन और 'र' हुकके बीच स्वर

जब व्यंजन और र हुकके बीच मा ध के सिवा अन्य कोई स्वर आवे, तो उनके लिये अलग रेखाक्षर लिखे जाते हैं

तुलना कीजिये ... चूनर (की) ... बीमार (से)

६०—'र' हुकसे वृत्त 'स' मिलावट

किसी सीधे रेखाक्षरमें मिलाये गये 'र' हुकके साथ वृत्त 'स' का मिलाया जा सकता है। ऐसा रेखाक्षरके उसी ओर हुकके स्थानपर वृत्तको लिख कर करते हैं ... सतर ... सिगरेट।

तुलना कीजिये ... सोता (को) ... सतर (से)

६१—'ह' के लिये हुक

ह का हुक ठीक र हुककी तरहही लिखा जाता है। लेकीन छोटा होनेका बजाय यह हुक बड़ा होता है ... बहना ... फटना।

नोट ड हुकके अन्दर वृत्त स लिखा जाता है और इसे टेढ़ा रेखाक्षरोंके साथ आनेवाले र हुक के भी अन्दर लिखते हैं

केवल एक मात्रावाले शब्दों में र या ड के हुक नहीं प्रयुक्त होते
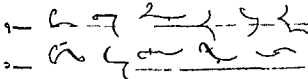
वर शेर।

फिर इन रेखाक्षर आकृतियोंपरभी ध्यान दीजिये जैसे शरम और करेंगे जहाँ र दो स्वरोंको स्पष्ट रूपसे अलग करता है।

तुलना कीजिये शरमाना (का) शराब (में)।

अभ्यास ५७

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

१—

२—

नोट —ऊर्ध्वगामी रेखाक्षर और अधोगामी र के साथ र या ड के हुक नहीं लगाये जाते।

६२—टेढ़े रेखाक्षरोंके साथ 'स' और 'र' हुक
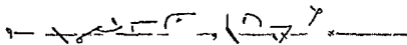
जब किसी रेखाक्षर आकृतिके मध्यमें स मध्यमें 'स' बाद ट्र या म आवे तो चिन्ह को उलग करके लिखते हैं जैसे, जैसे इन रेखाक्षर आकृतियों में है मास्टर मिस्टर कनस्टर।

६२—संक्षिप्त रूप

डर,—क्यों-कि-कर साहन।
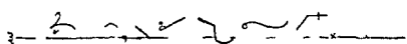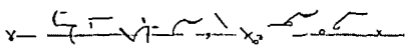
अभ्यास ५८

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये
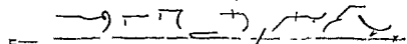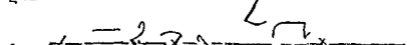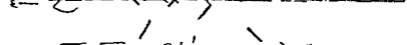
१—

२—

३—

४—

५—

६—

७—

८—

९—

१०—

अभ्यास ५६

शार्टहैंडमें लिखिये

१—अकड़ मत, अपना सुमन पहिले पूरा कर।

२—कड़ियाँ जोड़नेसे एक लम्बी सिकड़ी बनती है।

३—हाथोंमें हथकड़ी पड़ गयी, पर ठनगना कम नहीं हुआ।

४—दिलको मत तोड़, आँखोंके आँसू फिर नहीं रुकेंगे।

५—दर्शनोंकी लालसासे तो आँखोंका फोड़ना ही भला है।

६—कल क्यों नहीं आये, जिससे झगड़ा पड़े।

७—सदा चढ़ते जाओ पर हर एक पगपर साँस लो।

८—जोड़ मिलानेके बाद हिसाब बन्द करिये।

९—होड़ लगा रहे हो पानेके लिये क्या।

१०—ताड़के पेड़पर हुनरसे चढ़ा जाता है।

अध्याय १६

६४—हुक 'न'

व्यंजन 'न' को जोड़नेके लिये किसी रेखाक्षरके अन्तमें एक छोटा हुक लगाते हैं। इसे टेढ़े रेखाक्षरोंके अन्दर तथा सीधे रेखाक्षरोंमें दाहिनी ओरको लिखते हैं (याने इसे 'र' हुककी विपरीत दिशामें ही लिखते हैं)।

निम्नलिखित रेखाक्षर आकृतियों को ध्यानपूर्वक पढ़िये तथा नकल कीजिये

फोन कौन चन्दन मेहमान।

इस हुकको किसी रेखाक्षर आकृतिके मध्य या अन्तमें लिखते हैं यह

— चन्दन रेखाक्षर आकृतिमें स्पष्ट है।

६५—'न' हुकके साथ रेखाक्षरोंका अर्धीकरण

'न' को जोड़नेके लिये यदि किसी रेखाक्षरमें हुक लगा हो, तो 'त' या 'द' जोड़नेके लिये इसको आधा कर देते हैं जैसे बन्द।

अभ्यास ६०

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

६६—हुक 'न' से वृत्त 'म' का मिलाना

शब्दके अन्तमें 'न' हुक्के साथ वृत्त 'म' को मिलाते हैं। इसके लिये रेखाक्षरकी उसी दिशामें हुक की जगह वृत्त को लिखते हैं, जैसे

/ मिन्स

जब किसी टेढ़े रेखाक्षरसे 'न' हुक मिलाया गया हो, और बादमें वृत्त 'स' आवे तो वृत्त और हुक दोनों लिखे जाते हैं ६ डान्स

रेखाक्षर 'न', वृत्त स रेखाक्षर आकृतिके मध्यमें लिखे जाते हैं जैसे, ∟ तानसेन।

६७—'न' के बाद अन्तिम स्वर

जब शब्दके अन्तमें 'न' हो और उसके बाद कोई स्वर हो, तो 'न रेखाक्षरको लिखते हैं जैसे, ‿ बनाना, –⁄, –चूना

६८—सङ्क्षिप्त रूप

२– सिरसे पैरतक –ʃ– किसी न किसी दिन, –⋁–भाइयो और बहनो, –ʃ– दूसरेके वास्ते।

अभ्यास ६१

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये
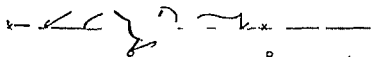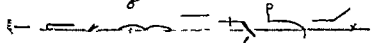
१—
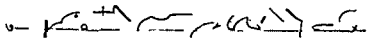
२—

३—

४—

५—

६—

७—

८—

९—

१०—

अभ्यास ६२

शार्टहैंडमें लिखिये
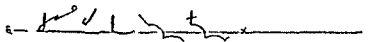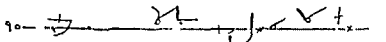
१—दूसरोंपर शासन करनेके पहिले अपनेको सुधारो ।

२—मन तो मानता नहीं फिर योगाभ्यासमें क्या लाभ ?

३—गायको नाज खिलाओ तब थनमें दूध निकलेगा ।

४—मान तो कुछ मिला नहीं, लाचारी और बढ़ गयी ।

५—गरीबोंमें किसीकी शान नहीं रहती ।

६—मनन और साधनसे ही फल मिलता है ।

७—क्या तानसेन जैसा कोई गानेवाला होगा ।

८—सुखासनपर बैठिये थोड़ा भजन कीजिये ।

९—इन्हीं कामोंमें उसका नाम रोशन होगा ।

१०—आज बड़े गुमानसे काम पड़ गया है ।

अध्याय १७

अभ्यास ६२

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

अभ्यास ६४

शार्टहैन्डमें लिखिये
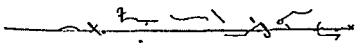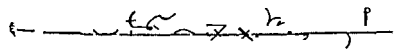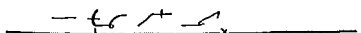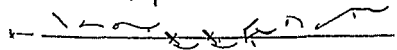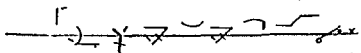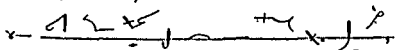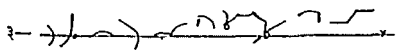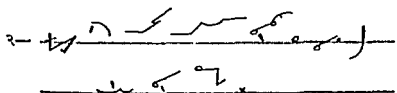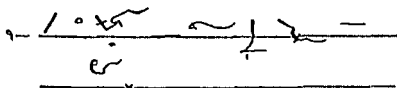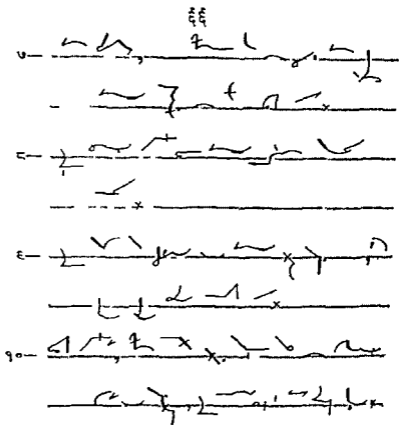
१—देशके बढ़नेमें एक और रुकावट है, धनियोंका अपार लालच।

२—सभी दशाओंमें इन्हें इधर-उधरकी छोड़ अपनी ही सूझती है।

३—गरीबोंकी तादाद अधिक है, पर पैसा न रहनेसे बेचारे बोल तक नहीं सकते।

४—और धनी लोग उनकी इस बेबसीसे नाजायज फायदा उठा रहे हैं।

५—दुखकी बात है कि रोते बिलखते मासूम बच्चोंके लिये गरीबोंके घरोंमें छदाम भी नहीं बच पाती।

६—फिर हम आगे कैसे बढ़ें, जब हमारी ही गलतीसे हमारे होनहार बच्चे पैसे-पैसेके लिये तड़फ रहे हैं।

७—जब पेट ही नहीं भर पाता तो फिर पगड़की कौन पूँछता है।

८—क्या हम अपने धनी जनोंसे मिन्नत करें कि वे कमसे कम इन बच्चोंके खान भरको तो छोड़ जाय।

९—नामकी आजादी किस कामकी आजादी तो वही जो प्रत्येक देशवासीको खाने-पहननेकी आजादी दे बोलनेकी आजादी दे।

१०—अब तो गरीबोंके जागनेका समय आ गया, क्या वे प्रभुमें विश्वास रख आगे आयेंगे?
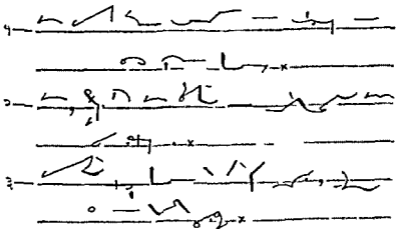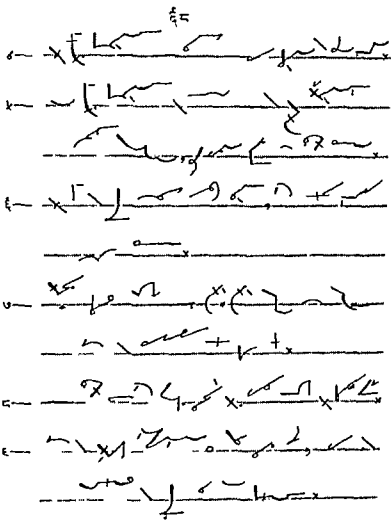
अभ्यास ६५

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये

अभ्यास ६६

शार्टहैंड लिखिये

१—अनातकी बात पर गरम गरम आंसू बहाना और दूसरे देशोंमें वाहवाही लेना अपनेको धोखा देना है।

२—दूसरोंको क्या व तो जिस कहानीमें दिलचस्पी पायेंगे उसमें थोड़ा देर तक मजा लेंगे।

३—पर यदि आप बार-बार वही कहानी कहियेगा, तो वे भी ऊबकर दूर हट जायेंगे।

४—याद रखिये गांधीने भारतके अतीतको तो अपने जीवनसे ही संसार भरको दिखा दिया।

५—और उनका यह दिखाना लाखों व्याख्यानोंसे भी अधिक असर दिखला गया।

६—फिर आप और अतीत की बखान कैसे कर सकते हैं, क्या बोलनेका असर पड़ेगा।

७—इस कारण चुपचाप काममें धुन लगाइये, आगे चलते चलिये।

८—और तब तक चालिये जब तक शरीरके किसी भी भागमें साँस थोड़ी भी बची हो।

६—इस तरह जीवनमें तो नाम मिलेगा ही मरनेपर भी तुम्हारे लिये आंसू बहाये जायगे।

१०—जिस काममें लगिये उसे पूरा करके ही छोड़िये, चाहे जान ही क्यों न जाय।

अध्याय १८

अभ्यास ६७

पढ़िये और बार बार नक़ल कीजिये
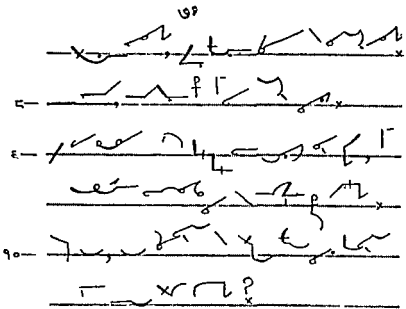
अभ्यास ६८

शार्टहैन्ड्में लिखिये

१—मैंने सुना था कि आसमान भी कभी कभी, फट जाता है, तारे भी असहाय जमीनपर गिरते है।

२—माने एक बार कहा था कि गरीबोंकी आहोंपर भगवान् भी पिघल जाते है।

३—और पुस्तकोंमें पढा भी था, कि गरीबोंके लिये भगवान् जन्म लेते हैं।

४—पर पता नहीं, गरीबोंके आँसुओंकी गरमाहटमे धनी क्यों नहीं पिघलते?

५—उनके वहते हुये आँसुओंकी बौछारसे उन्हे चोट क्यों नहीं लगती?

६—शायद रुपये की गरमी उन्हें बेहोश किये रहती है।

७—वे सब जान-सुन कर भी जैसे कुछ भी नहीं सुनते।

८—मानो सदा किसी नशेमें परेशानसे रहते हैं।

९—'और मिले और मिले" की रट लग गयी, फिर कुछ भी नहीं सूझता।

१०—तो क्या मालूम गरीब ही इस नशाके शिकार होंगे?

अभ्यास ६६

पढ़िये और बार बार नक़्ल कीजिये
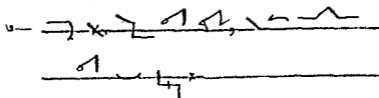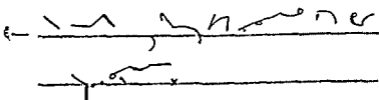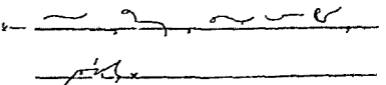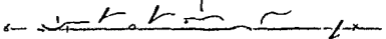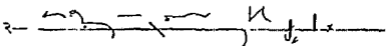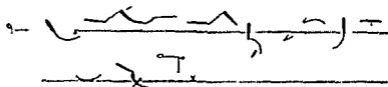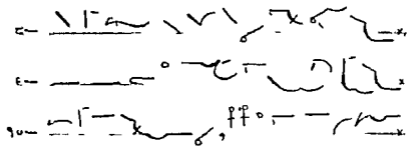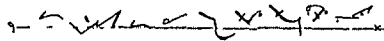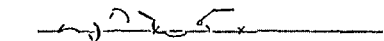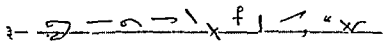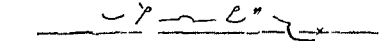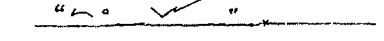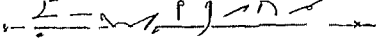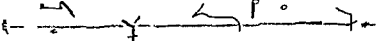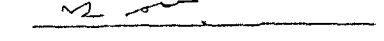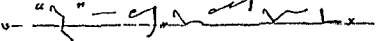
८—

९—

१०—

अभ्यास ७०

शार्टहैंडमें लिखिये

१—केवल सोचनेसे तो अपना ही शरीर कमजोर होता है।

२—और दूसरोंकी ओर टेरा-टेरा कर इन्तजार करनेसे तो समय चला जाता है।

३—ऐसी दशामें थोड़ा भी आलस खतरनाक होगा।

४—एक समझदार युवकके जीवनमें सुस्तीको स्थान नहीं मिल सकता।

५—हमें तो न बुझनेवाले आगके गोलेकी तरह जलते रहना है।

६—सोनेका रंग आगमें डालनेसे अधिक सुन्दर होता है।

७—इसी प्रकार हम भी तकलीफोंमें अधिक मजबूत होंगे।

८—चाहे जितनी ठेसें लगें पर कलेजेसे आह न निकलने देंगे।

९—इस आहके सुलगनेसे हम सदा आगे जानेकी सोचेंगे।

१०—अपने आखीरी स्थान तक पहुँच कर ही रहेंगे।

अध्याय १६

अभ्यास ७१

पढ़िये और बार बार नक़ल कीजिये
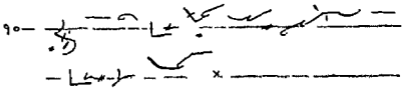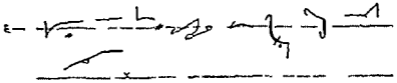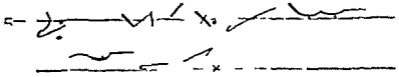
अभ्यास ७२

शार्टहैंडमें लिखिये

१—हमारा गाँधी तो शहीद होकर भी हमारे साथ रहता है।

२—फिर गम किस बात की, यह जीतनी मरना क्यों ?

३—वीरोंके लिये तो दुख ही सच्चा साथी है।

४—दुखके धधकनेपर ही आगे बढ़नेका साहस मिलता है।

५—इसी कारण महान् पुरुषोंने दुखके रास्तेसे ही परोपकार करना आरम्भ किया।

६—राम वनको गये, प्रताप जंगलोंमें भटका और गाँधी फकीर हुये।

७—सुखको त्याग कर जब दुखका स्वागत किया जाता है, तो यह सुखसे अधिक प्रिय लगता है।

८—जब अपने सुखको छोड़ हम दूसरेके सुखके लिये जीते हैं, तो हम अतीव आनन्द मिलता है।

९—इसी आनन्दको पानेके लिये आगे बढ़ना चाहिये।

१०—इसी राहसे जीवनकी सफलता है और अमर नामकी प्राप्ति।

अभ्यास ७३

पढ़िये और बार बार नक़ल कीजिये

अभ्यास ७४

शार्टहैंड लिखिये
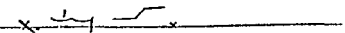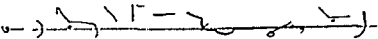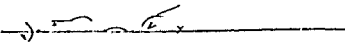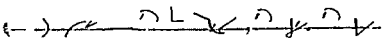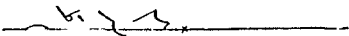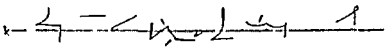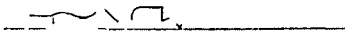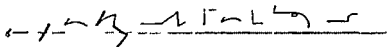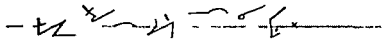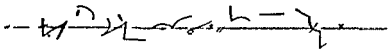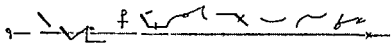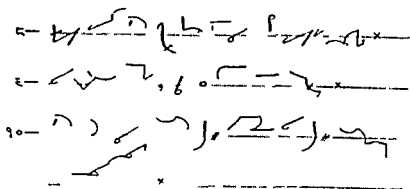
१—पर भारतको उन्नत बनानेके लिये नर नारियों को साथ-साथ चलना है।

२—नारीका हमारे यहां अपार महत्त्व है।

—मनुके समयसे ही नारीको श्रद्धा रूपिणी कहा गया है।

४—हमारे प्रथम पुरुष मनुने इसी श्रद्धाके सहयोगसे नर-सृष्टि प्रारम्भ की।

५—मानव यानी मनुष्य इन्हीं की संतान है।
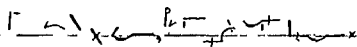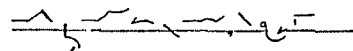
६—नारी इसी कारण अर्धांगिनी कही गयी है।

अध्याय २०

अभ्यास ७५

पढ़िये और बार बार नकल कीजिये
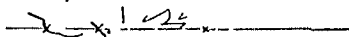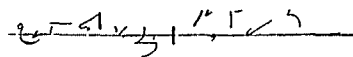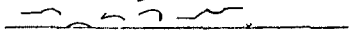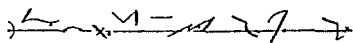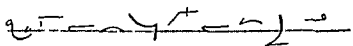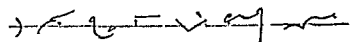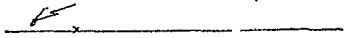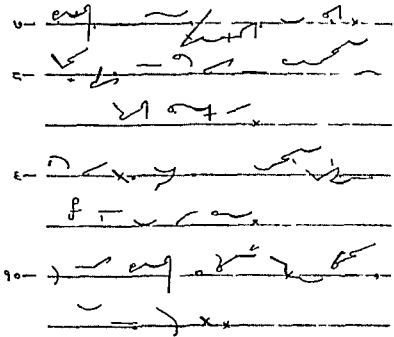
अभ्यास ७६

शार्टहेंडमें लिखिये
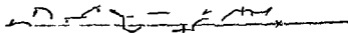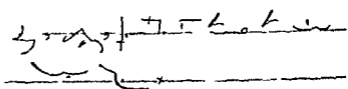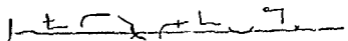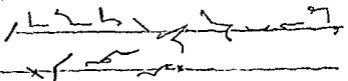
१—यहां एक बात और स्पष्ट करना है।

२—पूरब और पश्चिम दो दिशायें हैं एक कभी न होंगी।

३—इस कारण हमारी स्त्रियोंको पश्चिम की ओर न देखना चाहिये।

४—भारतीय सभ्यता सदासे बेजोड़ रही है और रहेगा।

५—सीता, पद्मिनी और लक्ष्मीबाई का जीवन अब भी हमारे सामने उज्वल है।
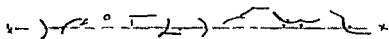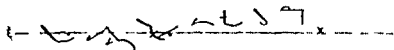
६—पढ़ा है कि पति प्रेममें जनक जैसे महाराज की पुत्री सीताने जंगलके कांटे पर शयन किया।

७—और फूलसी लुभावनी पद्मिना जिन्दी चितामें जल गयी।

८—फिर क्या हमारी स्त्रियाँ पश्चिम की नकल कर रोज तलाकके फेरमें फसेंगी।

९—भगवान् करे इनमें ऐसा ख्याल कभी भी न आवे।

१०—शिक्षा, ज्ञान, सहयोग और धर्म शीलता ही नारी-उन्नति के स्तम्भ हैं।
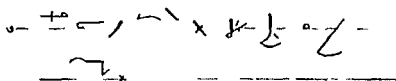
अभ्यास ७७
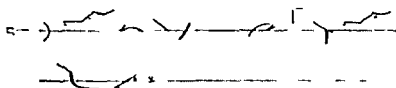
पढ़िये और बार बार नकल कीजिये
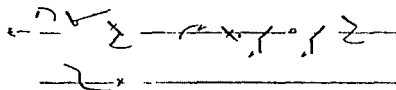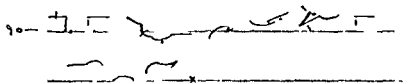
अभ्यास ७८

शार्टहैंडमें लिखिये

१—याद रखिये, भारतकी उन्नति सारे संसारकी उन्नतिमें मदद करेगी।

२—एशिया महाद्वीपमें इस देशका बड़ा महत्त्व है।

३—इस तरह विश्व भरमें इसका अपना स्थान है।

४—इस कारण संसार भरके सरकार स्थापनमें भारतका सहयोग अत्यावश्यक है।

५—भारत और देशोंसे अधिक विश्व एकताका नारा लगाता रहा है।

६—गुलामी में भी इस देशने आजादी इस लिये माँगी थी जिससे संसार भरको आजाद कर सके।

७—गांधीने कहा ‘जब तक संसारका हरएक प्राणी आजाद नहीं होता, मैं अपनेको आजाद न समझूंगा’।

८—इस प्रकार तकलीफोंमें भी हमने अपना आदर्श न छोड़ा।

९—स्वतन्त्र होनेपर भारतीय सरकार सदा अपने साथ पिछड़े देशोंको आगे लाना चाहती है।

१०—क्या संसारके दूसरे देश ऐसे सद्भाव शील देशके आगे बढ़नेमें मदद करेंगे।

सूची संक्षिप्त रूप

क

कैसा, सी से,

क्या, किया

क्यों-की-कर

किसी न किसी दिन

कर

ग, घ

क्या किया

घर

च, छ

पिछला-ली-ले

ज

जहाँ

जरूरत

जैसा-से-सी

जासी

ड

डाक्टर

डर

प, फ

अपना–नी–ने

पहिला–ली–ले

पर

फिर

प्रत्येक

ब, भ

बाहर

बेहतर

बिलकुल

भाईयी और बहनी

म

में, में

मुसलमान

मतलब

य

योंही

यह, यही

र

रह, रहा, रही

रुपिया

रोज़ाना, रोज़

ल

लाभ

लड़का

त

तब तभी

द, ध

इधर

उधर

दूसरे के वास्ते

न

नहीं

व

वगैरः

वैसा–सी–स

व्यवहार

यहाँ यहीं

अवश्य

श

शहर

शब्द

मशहूर

स

सा सी से

सन

साहब

समय

सिरस पैर तक

इस–सी–स

ह

है हैं

हम हमारा, हमारी हमारे

हम

हिन्दू

हमा, हुया, हय, हयों

आ

आ, आया, आई

आओ, इया

आवश्यक वाक्यांश

पहला अध्याय

लोकोक्ति

१
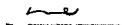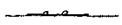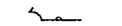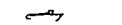
क्या बजा है?

इस को पसन्द।

किस क़िस्म की?

हर क़िस्म का?

थोड़े देर के बाद।

देर तक।

अगर हो सकता है।

मुझे उम्मीद है।

इस का बहुत अफसोस है।

होशियारी से रखो।

२

आप का ख्याल है ?

ज्यादा से ज्यादा।

कम-आ-बेश।

कम से कम।

कल तक।

आज तक।

जिस में।
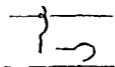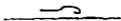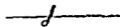
ज़रा भी नहीं।
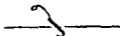
किसी तरह से नहीं।

पहुंच के बाहर।

रोम रोम में।
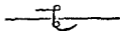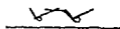
थोड़ी देर में।

दूसरा अध्याय

व्यवहारि

१—समवाय

पूँजी या (संक्षिप्त चिन्ह)

कार्य सचालन नियम।

सपत्ति।

प्रारिकृत पूँजी।

चालू पूँजी।

आय-व्यय-फलक।

पक्का माल।

लाभांश।

नफा नुकसान।

स्थानका मुहाना।

लिमिटिड कम्पनी।

१

आधिमान्य भाग।
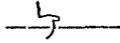
मूल्य-लागत।
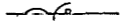
आत्प-मात्रोत्पादन।

महामात्रोत्पादन।

प्रचलित भाव।

गनित सपत्।

सुरक्षित कोष।

कच्चा माल।

वैधन्यूनतम वेतन।

वेतन मार्गी।

चुकता पूँजी।

सयुक्त पूँजी कपनी

३—महाजनी

बैंक। (या) (सङ्क्षिप्त चिन्ह)

बैंक-परिक्षेत्र।

व्यापार बैंक।

विकेंद्रित महाजनी।

धनीजोग चेक।

हुंडी। (या) (सङ्क्षिप्त चिन्ह)

दर्शनी हुंडी।

व्यापारी हुंडी।

कोषागार विपत्र।

धातु-पिंड।

केन्द्रीय बैंक।

नगद कोष।

४

घर ∠ (या) / (संक्षिप्त चिन्ह)।

रेखांकित चेक।

नाहजोग चेक।

भुगतान घर।

वाणिज्य-सदन।

सहकारी बैंक।

विश्वसनीय निर्गत।

स्वयमान।

स्वर्ण कोष।

सरकारी प्रतिभूति।

भुगतान समझौता।

वैध ग्राह्य।

६—कृषि

लगान या (संक्षिप्त चिन्ह)

लगान देनेवाला।

कारिंदा या (संक्षिप्त चिन्ह)

ज़मींदार या कारिंदा।

उसकी गायें चर रही हैं।

किसान का घोड़ा।

शिकमी काश्तकार।

पड़ती क़दीम।

बकरियोंने पत्तियाँ खाईं।

बड़े बड़े जानवरों को।

सहकारी साख समिति।
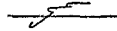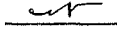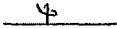
खुद काश्त।

७—समय

सोमवार पीर

मंगल

बुधवार

बृहस्पतिवार जुमेरात

शुक्रवार जुमा

शनिचार

इतवार

चैत बैसाख जेठ

असाढ़ सावन भादों

कुआर कार्तिक अगहन

माघ पूस फागुन

बसन्त ग्रीष्म वर्षा

८—समय

शरद   हेमंत   शिशिर

जनवरी   फरवरी

मार्च   अप्रैल

मई   जून

जुलाई   अगस्त

सितम्बर   अक्टूबर

नवम्बर   दिसम्बर

शताब्दी   या   (संक्षिप्त चिन्ह)

वर्ष   या   (संक्षिप्त चिन्ह)

पांच वर्ष

महीना   या   (संक्षिप्त चिन्ह)

पाँच महीने

६—शहरों के नाम

दिल्ली देहली	
बम्बई	अलीगढ़
मद्रास	आगरा
कलकत्ता	बरेली
जबलपुर	नागपुर
बंगलौर	पटना
इलाहाबाद	हैदराबाद
बनारस	बगाल
पेशावर	कोलम्बो
रावलपिण्डी	रगून
कराची	लदन
अमृतसर	

तृतीय अध्याय

जुड़ शब्द

दर-दर

घर-घर

घर का घर

गाँव-गाव

मान की मान में

बात की बात में

हाथों हाथ

भीड़ का भाड़

कभी का कभी

एक एक्कर

मोड़-मोड़

होते-होते

रात के सब

चौथा अध्याय

उपसर्ग

अन, ना (लैन के ऊपर)

अनजान अनुकरन

नामुमकिन नादान

निश -

निश्चय निरवारा

कम, कन (रेखाक्षरके आरम्भ में विन्दु)

कमजोर कमबख्त

कनफूत कनहराला

अक्र

अक्रमाक अक्रामान

पचम अध्याय:

प्रत्यय

कर, कार, कारी -

सुखकर - रुचिकर -

शिल्पकार - धवकार -

तरकारी रुचकारी -

गार

कारागार गुनहगार

प्रद :

आशाप्रद लाभप्रद

गुना

तीन गुना 3 चार गुना 4

सौ)-

तीन सौ 3-)-

हजार ⁄-

तीन हजार 3 ⁄-

लाख (

तीन लाख 3 (

करोर -c—-

तान करोर 3c—

३० ०००,००० 3c—

३,००० ००० 30 (

१०० ००० 3 ⁄-

कुंजी

पिटमैन की शार्टहैंड

हिन्दी त्वरालेखन

Isaac Pitman

SIR ISAAC PITMAN & SONS LIMITED
LONDON BATH NEW YORK
TORONTO MELBOURNE JOHANNESBURG

लंदन
सर ऐजाक पिटमन एण्ड सन्स लिमिटेड

अभ्यास १

१— तप थप, पत, फत गत धन धथ पद।

२— एत, ते, त्थ, थे एन चे, टेभ भ।

अभ्यास २

१— पत, छत नन धट नप फन, दट।

२— धत दठ नर डव, पतव चड, चन।

अभ्यास ३

१— भर था भाते भाध, भाता, याप बात।

२— छाता, पता बेटा, फना, चेताव, बावत।

अभ्यास ४

अभ्यास ५

अभ्यास ६

१— आना नाना मनाना पनाथ नाम।

२— थम, रना नैना गन पन, थन।

३— फट बनाय भागना नैफना, नापना, काटा।

४— माथा बाग पना थक भाग पनाना।

अभ्यास ७

१—

२—

३—

अभ्यास ८

१— गे दोना फोट जो टोप, नोट।
२— वो, मोटा चोट, धोना नोय योना।
३— गेगो बौना छोटा फोना।

अभ्यास ९

१— अब बातें मानो।
२— नाम क्या तो।
३— आज पद तो चना।
४— अपनी जरूरत देखना।
५— आपका नाम ?

अभ्यास १०

७— नामसे नाम है।

८— मानो पर जानें न दो।

९— मैं तब जब आया तब कामगे।

अभ्यास १४

१—

—

३—

४—

५—

६—

७—

८—

अभ्यास १५

१— दी, भीक, नीम की चीज़।
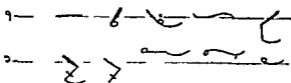
— पिसना, सीन इतनी पीना जीतना निकना।

अभ्यास १६

अभ्यास १७

१— आप कब आये?

२— बात न मानो तो जाओ।

३— दाम तो नाम।

४— नाम बेकाम धाम न काम।
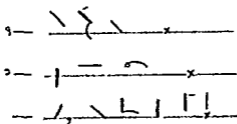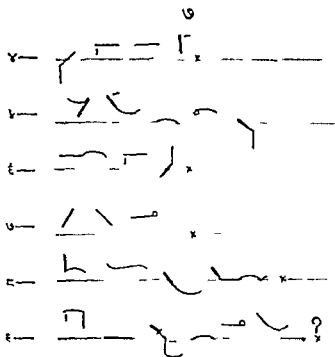
५— अब धाम में नगर आया।

६— आपसे साथी बनो।

७— अब तो पढ़ चेतो!

८— चिन्ता तन दे काम बना तो!

अभ्यास १८

अभ्यास २२

१— पहिल नामका देखो।

२— तय धना यनो।

३— भात-पानी से नाता जुड़ता है।
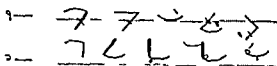
४— सन माटा दन से नाम पाते हैं।

५— गीता में कायका गाना है।

६— इस वस्तसे चानें न उठा।

७— गा गा के तूने पून शाम मटका।

अभ्यास २३

अभ्यास २४

१— ग सेय, मात, सह ग्य, मीगों पाग, टेरसी।

२— उस प्रग्नासी, मतासी, बीस ग्स्तीस, चौबीस।

अभ्यास २५

१—

२—

अभ्यास २६

१—

२—
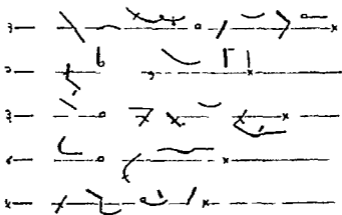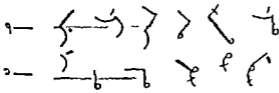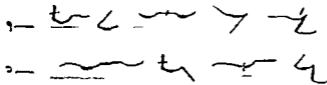
अभ्यास २७

१— समय बीता, पर इजी दुखी था।

— नीमका पत्ती अच्छी है।

३— दाम पाने से सब अपने थे।

४— अपनी-अपनी सान, अपना-अपना काम देखो।

५— जब जब मन उससे पूँछा उसने इधर-उधर किया।

६— अपना पता बता दो।

७— मुझे आपका काम बेहतर जँचा।
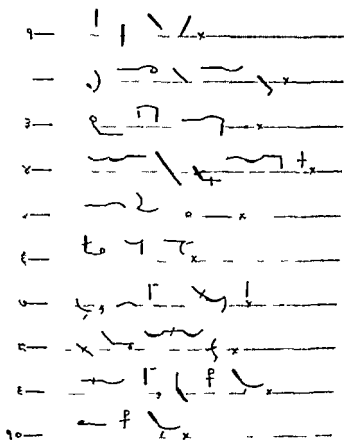
८— फिर फिर एक बात पूछा।

९— उसका खाना अच्छा था।

१०— गगाजी का पानी साफ है।

अभ्यास २८

अभ्यास २९

१— साफ नफीस फूना, फा मन, लोगे।

२— थम्ला मना लेलो पालना तालू पालनू, फसला।

३— अशीम लगना पल्ना, तोम्पा स्पिुल म्पूल।
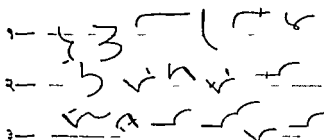
अभ्यास ३०

अभ्यास ३१

१— मैं कल शहरमें आया।

२— अपना काम अपनसे बना।

३— नादान देखे, तू खूब आसानीसे बैठा था।

४— मुझे तो अपना काम कभी भी न भूला।

५— भोलानाथजीसे उस शब्द के माने पूछो।

६— मुझे आपकी बातसे कुछ भी लाभ न था।

७— तुम आज आ जाना कल फिर देखेंगे।

८— मिलनेसे काम बनता है, न कि अलग जानेसे।

९— पापी आदमी तो सब पाप ही देखता है।
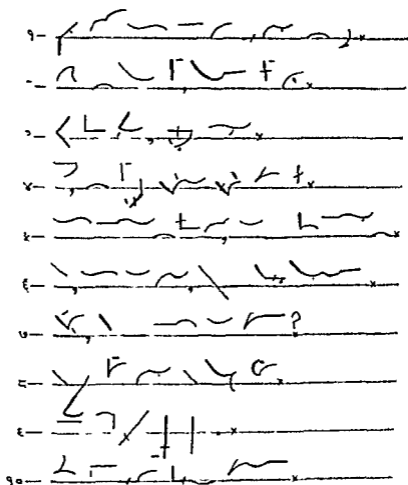
अभ्यास ३२

अभ्यास ३३

१— मोर याद, मादा कम्बल मापन मलाया।

— यह यह, किया, पाया, ताव लैम्प।

अभ्यास ३४

१— यों ही बात न बनाओ, जाओ।

२— वैसा तेज़ लड़का आज तक न देखा।

३— कल मैं यही सोचता था कि आपसे कब मिलूँ।

४— पैसा आता है फिर चला जाता है।

५— उसे बुलाया तो पर लाभ कुछ न था।

६— घूमने में तो समय बिता दिया।

७— आजका काम कलपर कभी भी न टालो।

८— चिन्ता चिता से भी अधिक जलाती है।

९— बच्चूलालके जैसा व्यवहार कभी न देखा।

१०— आपके बाल सफेद दीखते है।

अभ्यास ३५
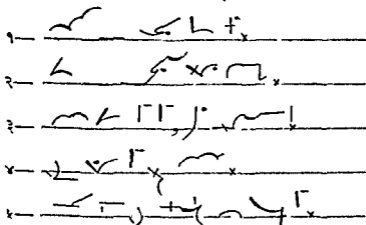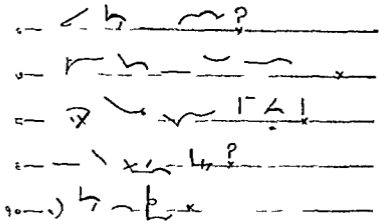
१—

२—

३—

४—

५—

अभ्यास ३७

१— भोर, सर, रोज, गोरा, रेल, बाजार, मर गारा, रस्सी।

२— बुरा, उम्र, रकना, उरदी, पुराना।

३— पूरा, दूसरा जरूरी, रेडियो, मारामना अफसर।

अभ्यास ३८

अभ्यास ३९

१— घड़ा, तोड़ा, थोड़ा, फाड़ घड़ा।
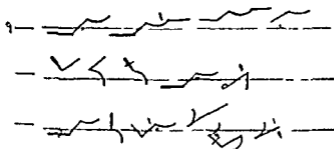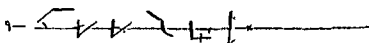
२— गाड़ी फाढी, झड़ा, कड़ी कुल्हाड़ी।

अभ्यास ४०

१— राम तो चचल लड़का था।

२— मेरी बातें मानो, रुको।

३— आप इसी कारसे गये थे?

४— गरीबोंपर दया करो।
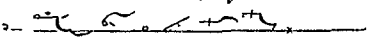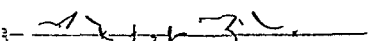
५— फोगी बाता से क्या काम था।

-- मुझे तो उसके साथ मौज है।

७— आराम क्या मिला जानें गयीं।

८— रोने-रोते आंखें सूजी थीं।

९— शामके समय राम आयेगा।

१०— इसके अलावा उसने नामका फायदा दिया।
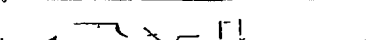
अभ्यास ४१
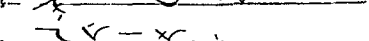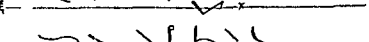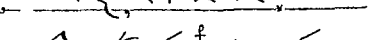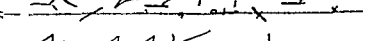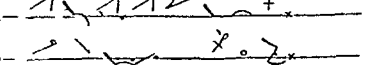
अभ्यास ४२

१— हाथी, हो, हू, वहाँ, हुक्म होगा, चाहना।

२— हास्टल जहाज, हवा, इश्तहार कहना, हिस्सा।
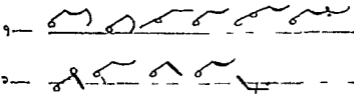
अभ्यास ४३

अभ्यास ४४

१— आप तो पूरे हातिम हैं नहीं क्या?

२— हार हार कर भी जीत अकड़ता है।

३— बार बार सुनो, "गांधी अमर हो गया"।

४— देशका प्यार हमारा गौरव है।

५— जंग या मरण, साहस कभी न छोड़ेंगे।

६— नौजवानों अपना हाथ और माथ दोनों तेज करो।

७— और सुनो विजय तुम्हारी है।

८— हमेशा देशकी सोचो, प्यारे झंडेकी लाज रखो।

९— समर गरम बातोंसेही काम नहीं होता।

१०— शरीरका लहू सुखाना पड़ता है।

अभ्यास ४५

अभ्यास ४६

१— गया नया गऊ पाओ स्वापी चिड़िया।

— लड़ाइ चाहिय पिया त्यौरी लामो।
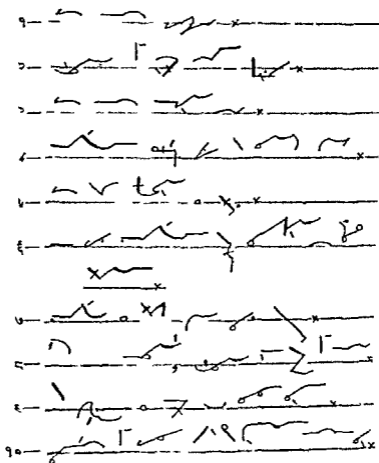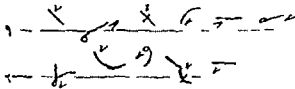
अभ्यास ४७

अभ्यास ४८

१— आओ, हम मिलकर कुछ काम करें ।

२— गाते गाते लड़नेमें ही हम सफल होंगे ।

३— काम करनेमें हमारा नाम है, फल तो मिलेगा ही ।

४— आए साहेब, मिजाज कैसा है ।

५— सुस्तीसे काम नहीं चलता ।

६— परेशानीसे सदा लड़ते जाओ

७— आदमी जिन्दगी में एक ही बार मरता है ।

८— उठो, सोनेसे काम नहीं चलता ।

९— खैर तुम भी अपनी कमाई पाओगे ।

१०— इतना सोचनेपर भी फिर भी उदास होना बुरा है ।

अभ्यास ४६

अभ्यास ५०

१— हरकत पातल कसरत याद, खेत।

— दायन बात चैन, इश्तेहार बताना।
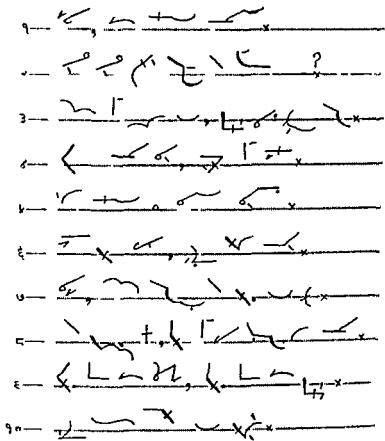
३— जूती मोती, रात नारद, रास्ता गोश्त।

अभ्यास ५१

१— आज किसके घर गायन है?

२— पीतल का लोटा हमारा है।

३— मतलबकी बातें यार के लिय छोड़ा।

४— त्याग के बाद नाम मिलेगा।

५— तुम रात के समय कहाँ थ?

६— वहाँ किस खेतसे रास्ता गया है।

७— कसरत करनेसे शरीर मजबूत होगा।

८— आप हुज्जत मत कर चले जाय।

९— उसकी हरकतसे तबीयत परेशानी में है।

१०— भले मानस, अब तो अपनी दशा चेत!
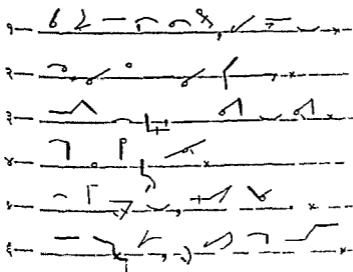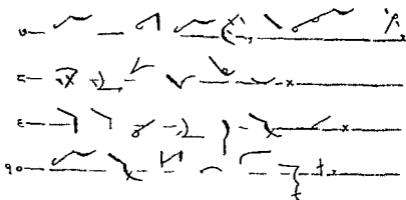
अभ्यास ५२

अभ्यास ५३

१— नौकर मगर, करना ऊपर, मेहतर।

२— उतरना, बराबर परदेशी, मगर।
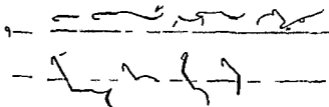
अभ्यास ५४

अभ्यास ५५

१— नौकरको अपने ग्राममें बुलाओ।

२— कुमार, आजकल ग्वारकी कैसी दशा है!

३— आप तो सेवा करनेसे वीर हो गये।

४— जहाँ राम फिर वहां सब आराम।

५— अपने प्राणकी रक्षा करो।

६— जैसी उसकी प्रीति थी वैसा भाग्य नहीं मिला।

७— शेरके सामने स्यार कभी मत बनो ।

८— जाओ अपनी पढ़ाई मत भुलाना ।

९— प्रत्येक आदमीको प्रेम-हित लहू देना पड़ेगा ।

१०— आपसमें मेल रखो तभी उन्नति करोगे ।

अभ्यास ५६

अभ्यास ५७

१— ट्रेम, सिगरेट, शरमाना, शेर, फर्श, शरम।
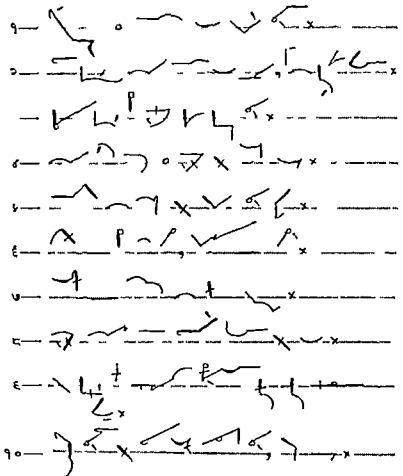
२— ट्रोलीबस, डाक्टर, कड़ना, चढ़ना, शोहरत।

अभ्यास ५८

१— पहिले हुनर को लगाओ, तब और कुछ सोचो।

२— कल ट्रेमसे हम मोती बाजार चलगे।

३— शरमाओ मत, अपनी सारी बातें सामने रखो।

४— डाक्टरको बुलातो लें, पर फीस कहांस आयेगी।

५— शेर होकर सामने आओ डरो मत।

६— फर्श पर बैठ कर काम असानीस कर सकते हो।

७— मास्टर साहेबको सदा नमस्कार करो।

८— कनस्टर को काट कर खासा, चीजें रखन लायक बनाओ।

९— चीनीका शरबत मुझे प्रिय लगता है।

१०— घर घर आज सुमकी बहार फैली है।

अभ्यास ५९
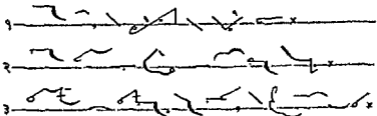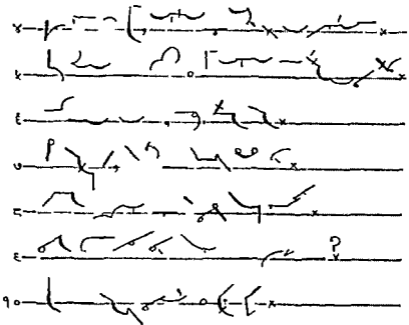
अभ्यास ६०
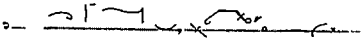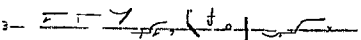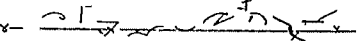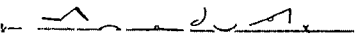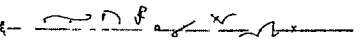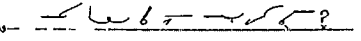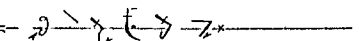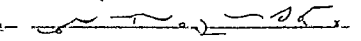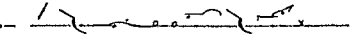
१— दुकान, गिन मेहमान, बटन, जान, स्टेशन ।

२— टेलीफ़ोन, जौन पेचवान, बन्द राखदान ।

३— फौन, शोरन, थान, बन्दन, ज़हीन ।

अभ्यास ६१

१— उसके सिरसे पैर तक शरारत भरी है ।

२— किसी न किसी दिन भेद खुल ही जायगा ।

३— उस दुकानपर बटन मिलती थी या नहीं ।

४— कौन सी बातके लिये तुम जान दे रहे हो ।

५— वह लड़का बड़ा जहीन और मेहनती है ।

६— घर आये मेहमानका खूब सत्कार करो।

७— दिल्लीसे खबर लेनेके लिये टेलीफोनपर बात कर लो।

८— जिन लोगोंने मुझे मारा था, वे आज जेलमें हैं।

९— दूसरे के वास्ते जान देना परम धर्म है।

१०— खुशी है कि शहीदका खून देश-हित बहा था।

अभ्यास ६२

अभ्यास ६३

१— आज सब भारतीयोंके सामने देशको बचानेका सवाल है ।

२— धीरज और काम करने के हौसलेसे ही देश उन्नत हो सकता है ।

३— इस दशामें आपसी मेल और सहानुभूति ही मदद करेगी ।

४— यदि हरएक भारतीय दिनमें एक घंटा भी देशकी सोचे, तो उसकी बुद्धि कुछ न कुछ मदद करेगी ही ।

५— पर हमारे सामने भिन्न भिन्न जातीयों और वर्गोंका ढकोसला रख गया है ।

६— क्या इन ढकोसलोंमें कुछ भी असलियत है, क्या इस सदीमें भी धर्मके नामपर कुरबान होना ठीक है ।

७— हमारा जवाब है कि धर्मकी आड़ में ही हमारे दुश्मन हमें गड्ढेमें ढकेलते रहे हैं ।

८— इसीको सामने रखकर हमें गुलाम बनाया गया ।

९— इसीके बलपर दूसरोंने हममें फूट पैदा की और इतने दिनों शासन करते रहे ।

१०— याद रखिये, धर्म कभी भी आपको आपसमें लड़ने के लिये नहीं चढ़ाता इसका काम है सुख-शान्ति देना ।
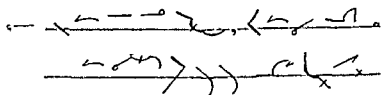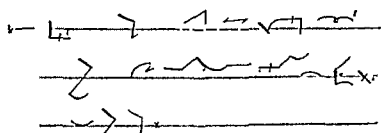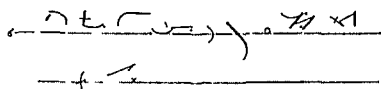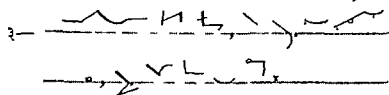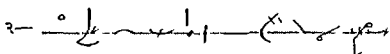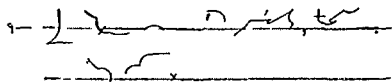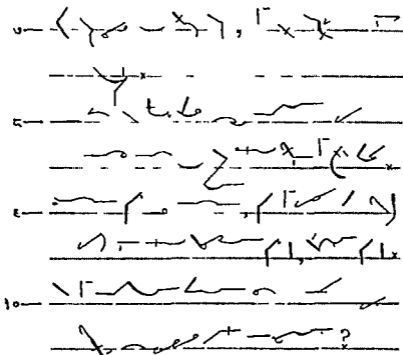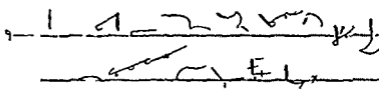
अभ्यास ६४

अभ्यास ६५
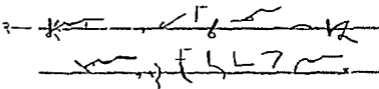
१— हमारा व्रत हरएक नागरिकको उन्नतिका एक समान मौका देनेका है।

२— हमारी सभ्यता और हमारे शहीदों की कुरबानियां हमें यही सिखाते हैं।

३— वर्षों खून देनेके बाद जो आजादी मिली है, उसमें सबका बराबर हिस्सा है।

४— फिर थोड़े आदमियों का क्या हक़ है कि वे दूसरों पर शासन करें।

५— इन थोड़े आदमियों का पहला काम है कि अपने पिछड़े भाइयों को लायक़ बनायें जिससे वे आजादी का मतलब समझ सकें।

६— फिर तो अपना देश एक महान् राष्ट्र होगा, और खोया गौरव मिल सकेगा।
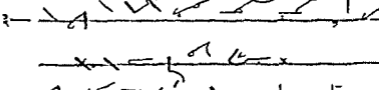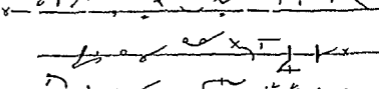
७— भारतीय इतिहास बतलाता है कि छोटी-छोटी बातों से पः
हमने अपना सर्वस्व खो दिया था।

८— क्या समझकर और जानते हुये भी वही गलती फिर दोहरायी जाय

९— हमें अपने उभरते नौजवानोंसे बहुत ही आशा है, वे अपनी अ
से अपने देशका अहित न देखेंगे।
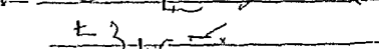
अभ्यास ६६
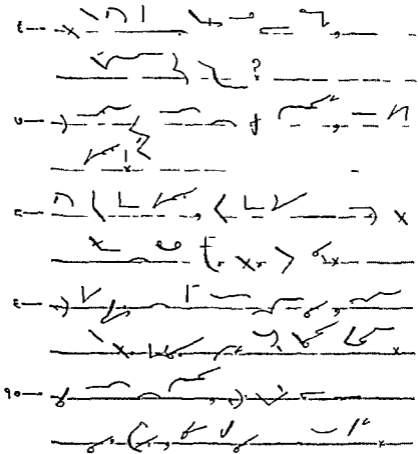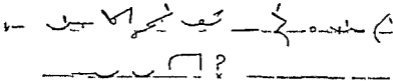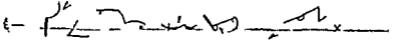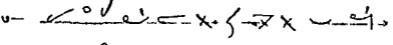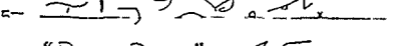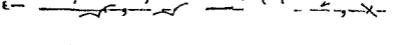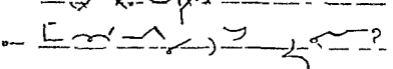
अभ्यास ६७

१— गरीब होनेसे ही कोई आदमी नाकाबिल नहीं होता।

२— एक गरीब मौका मिलनेपर उतना ही आगे बढ़ता है, जितना और कोई दूसरा।

३— फिर आप किसी गरीब से नफरत न करें, दुतकारें न।

४— यदि थोड़ी देर तक सोचेंगे तो समझेंगे कि गरीब के भी हृदय होता है, आत्मा होती है।

५— आपकी ही तरह उसका जिस्म होता है, उसका कलेजा वैसे ही काँपता है तड़पता है।

६— उसके चेहरे पर भी कभी कभी हँसी आती है, और दिमागमें तेजी।

७— हाँ भेद शायद इतना ही है कि उसकी आँखें सदा आँसूसे भीगी रहती हैं जब कि धनीके चेहरे पर हँसी रहती है।

८— क्या करे, गरीबके साथी तो ये आँसू ही हैं।

९— जब वह संसारकी ओर ढेग देखकर निराश हो जाता है, तो *आँसुओंकी गरमाहटसे ही अपने कलेजे को स्थिर रखता है।*

१०— पता नहीं, इन असहायोंपर आफतें ढाना ही धनियोंको क्यों भला लगता है।

अभ्यास ६८
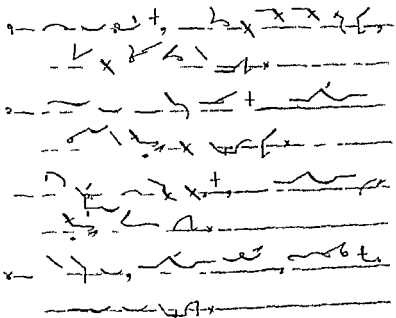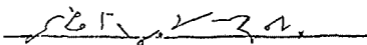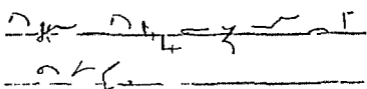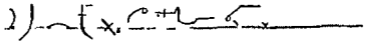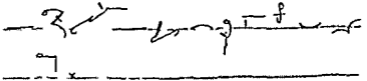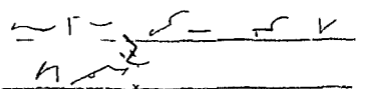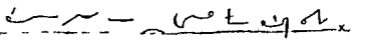
अभ्यास ६६

१— बिना गरिबोंकी गरीबी दूर किये हमारा देश आगे नहीं बढ़ सकता।

२— हमारी सरकार का पहिला काम है कि इस तरफ ध्यान दे।

३— केवल तरकीबें ढूँढ़ते रहनेसे काम न चलेगा।

४— उनको जल्द से जल्द काममें लाने की जरूरत है।

५— माना कि सरकारके सामने अनेक सवाल हैं रुकावटें हैं।

६— पर गरीबीके इस प्रकार चलते रहनेसे और सवाल पैदा होंगे।

७— किसी भी बातकी हद होती है, पर हमारी गरीबीकी हद नहीं दीखती।

८— अब तो हमें अपने बलपर ही खड़ा होना पड़ेगा।

९— एक एक कर सब काँटों को बीनना और तोड़ना पड़ेगा।

१०— हम तो आगे बढ़ेंगे ही, साथ साथ सभी को आगे ले चलेंगे।

अभ्यास ७०

१—

२—

३—

४—

५—

६—

७—
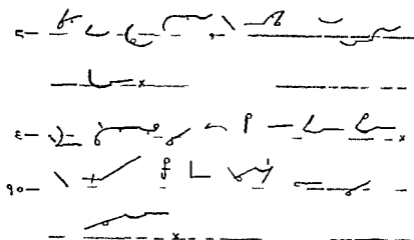
अभ्यास ७१

१— हमारे पूर्वज हमें सारी बातें भली भांति समझा गये हैं।

— रामके रामराज्यका गौरव सामने है, हमें उसी ओर बढ़ना होगा।

३— कृष्णका अमर गान अब भी साथ दे रहा है "फल की न सोच काम की सोचना" पड़ेगा।

४— बुद्धका जीवप्रेम इस समय भी प्रकाश दिखा रहा है, हम सब एक परिवारके" हैं।

५— अशोक का प्रेम-राज्य सदा आदर्श रहा है और रहेगा।

६— अकबरकी बुद्धिके चमत्कार सदा सबके पथ प्रदर्शक रहेंगे।

७— 'प्रताप' का स्वदेश प्रेम सर्वदा प्रेरणा देगा।

८— शिवाजी वीरता आज भी वीर बनने की मांग कर रही है।

९— तिलकका आत्म विश्वास हमें दृढ़ता प्रदान करता रहेगा।

१०— सुभाषका अमर त्याग भारतीय नवयुवकों को त्यागशील बनायेगा।

अभ्यास ७२
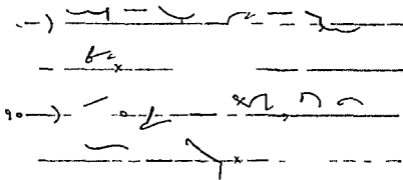
अभ्यास ७३

१— पर धारताके साथ घोखलाहट कभी न लाना चाहिये।

२— धीरज और शूरताके मेलही से आदमी आगे बढ़ता है।

३ — धीरजके अभावमें शूरता कम हो जाती है।

४— जब हम जल्दबाजी करते हैं तो हमारी ताकत अकसर गलत कामोंपर लगती है।

५— शक्ति का यह दुरुपयोग हमकी उन्नतिके रास्तेमें बहुत बड़ा रोड़ा है।

६— इस लिये एक ओर ताकत बढ़ाइये और दूसरी ओर धीर-धीरे उसे काममें लाइये।

— इस प्रकार आप तो आगे बढ़ेंगे ही आपका देश भी उन्नति करेगा।

८— धीरज वाले और शूर आदमीको ही सच्ची विजय मिलती है।

९— यही पुरानी गति है जिससे लोग आगे बढ़े हैं।

१०— और ऐसे ही नर देश-रक्षक या देश-निर्माता कहलाये हैं।
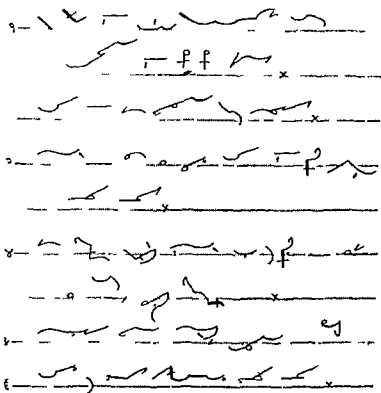
अभ्यास ७४

अभ्यास ७५

१— तो क्या हम अब भी चलेंगे सत्यको खुली आँखों देखेंगे।

— गरीबी दूर करना हमारा पहिला काम है पर स्त्रियोंको पढ़ाना भी अति आवश्यक है।

३— स्त्रियोंको यदि उचित शिक्षा दी जाय तो वे हर एक काममें हमारी मदद करेंगी।

४— इस जमानेमे भी परदेका रिवाज एक बड़ी लज्जाकी बात है।

५— स्त्रियोंको घरमें बन्द रखकर हम देशको कैसे बढा सकेंगे ?

६— इस लिये स्त्रियोंको पूरी स्वतन्त्रता मिलनी चाहिये।

७— स्वतन्त्रता के माने उच्छृंखलता नहीं होता।

८— भारतीय जीवनका सार यही है कि नर-नारीयोंमें एक पवित्र सम्बंध रहे।

९— और यह भी निश्चित है कि नारियां पुरुषोंके स्थान को नहीं ले सकतीं।

१०— इस कारण स्वतन्त्रतामें सहयोग बढाना चाहिये न कि आपसी भेद।

अभ्यास ७६

अभ्यास ७७

१— हमें और कई बातोंका ख्याल रखना है।
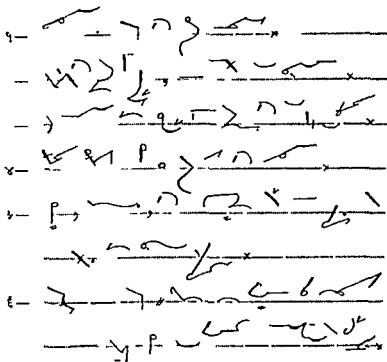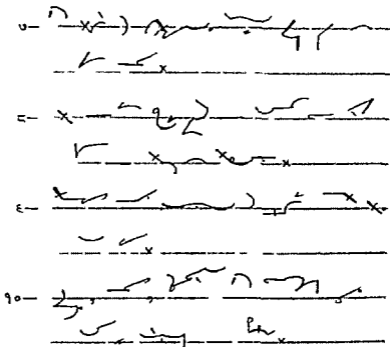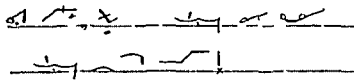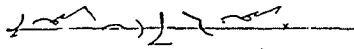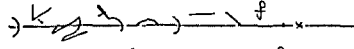
२— शिक्षा, व्यापार तथा खेतीको जल्द से जल्द उन्नत बनाना पड़ेगा।

३— देशमें अधिक लोग पढ़ लिख तक नहीं सकते।

४— जब तक हर एक आदमी अपने विचार प्रकट नहीं कर सकता फिर आजादी कहाँ मिली।

५— इस लिये सब को शीघ्र इस लायक बनाना पड़ेगा।

६— बिना व्यापार बढ़ाये हम धनी नहीं बन सकते।

७— खास कर जब हम अब भी दूसरे देशोंसे चीजें मंगाते हैं।
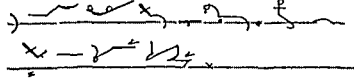
८— इस कारण हमें अपनी जरूरत के लिये तो पैदा करना पड़ेगा ही।

९— और बाहर भेजने के लिये भी ज्यादासे ज्यादा बचाना पड़ेगा।

१०— खेती को बढाने के लिये नये औजारों को काममें लाना है।

अभ्यास ७८

७—

८—

९—

१०—

NEW COURSE IN PITMAN'S SHORTHAND

A textbook covering the whole of the system in eighteen lessons The principles are stated briefly and simply, and each statement is followed by an adequate amount of application In the application of the principles a vocabulary of the 2000 commonest words is used

KEY TO NEW COURSE IN PITMAN'S SHORTHAND

This book contains a key to all the exercises in *New Course in Pitman's Shorthand*

PITMAN'S SHORTHAND INSTRUCTOR

A complete exposition of Sir Isaac Pitman's system of shorthand and the standard instruction book on the subject Contains 230 *reading and writing exercises*

PITMAN'S SHORTHAND MANUAL

This is Part I of *Pitman's Shorthand Instructor* It contains a full exposition of the system with 120 exercises